Key reasons to invest near Jewar Airport
Sandaluxe Foresta Farms Pvt Ltd
SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD
Jewar
जेवर में प्लाट में निवेश करें, भविष्य सुरक्षित करें

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

अमर उजाला

छठ पर्व की शुभकामनाएं

amarujala.com

वर्ष 15 | अंक 197 | पृष्ठ : 20
मूल्य : तीन रुपये

नई दिल्ली
बृहस्पतिवार, 26 अक्तूबर 2017

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे श्रीकृष्ण की सबसे ऊंची मूर्ति

यमुना सिटी में ऐसी मूर्ति बनेगी।

अमर उजाला

ग्रेटर नोएडा।

यमुना एक्सप्रेसवे से सटी गौड़ सिटी में भगवान श्रीकृष्ण की 120 फुट से भी ज्यादा ऊंची मूर्ति बनने जा रही है। गौड़ संस के एमडी मनोज गौड़ ने बताया कि इस मूर्ति को जयपुर के मूर्तिकार बनाएंगे। इसकी नींव बृहस्पतिवार को सुबह करीब 11 बजे विधिविधान के साथ रखी जाएगी। मनोज गौड़ खुद भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसे बनाने में करीब दो करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका पूरा खर्च गौड़ संस कंपनी वहन करेगी। उन्होंने एनसीआर में श्रीकृष्ण की सबसे ऊंची मूर्ति होने की बात कही। परी चौक से लेकर लखनऊ तक श्रीकृष्ण की इतनी ऊंची मूर्ति नहीं है। मनोज गौड़ कहते हैं कि यमुना सिटी की पहचान के लिए इससे अच्छा तरीका और कुछ नहीं हो सकता था। बता दें कि यमुना प्राधिकरण भी सेक्टर 17ए के पास प्रवेश द्वार बनवाने की तैयारी कर रहा है। 60 मीटर रोड पर इस गेट को बनवाने में करीब पांच करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। इसके लिए कंसलटेंट के चयन की प्रक्रिया चल रही है। दूसरी तरफ मथुरा- वृंदावन को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने का फैसला प्रदेश सरकार पहले ही ले चुकी है।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

नई दिल्ली, रविवार
20 सितंबर, 2020
ग्रेटर नोएडा
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16+6=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

आवासीय भूमि जुटाने को बदलेगी लैंड पूलिंग स्कीम 2 | जम्मू-कश्मीर को मिलेगा 1,350 करोड़ का आर्थिक पैकेज: मनोज सिन्हा

मनमोहक कृष्ण...

ग्रेटर नोएडा के दनकौर में भगवान श्रीकृष्ण की 108 फीट ऊंची प्रतिमा निर्माणाधीन है। शनिवार सुबह सूर्योदय की लालिमा जब फैली तो यह मनमोहक नजारा उभर आया। प्रतिमा गौर बिल्डर द्वारा गौर यमुना सिटी प्रोजेक्ट में बनवाई जा रही है ● अभिनव

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD | ESTABLISHED 1838 | NEW DELHI | FRIDAY, FEBRUARY 8, 2019 | PAGES 41 | NOIDA/ GHAZIABAD | INVITATION PRICE ₹4.50, ₹7.00 WITH ET OR ₹7.00 WITH NAVBHARAT TIMES

THE TIMES OF INDIA

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

Metro to Jewar airport planned via Aqua Line, decision this month

29km Route, Interchange at Pari Chk Station

Meenakshi.Sinha
@timesgroup.com

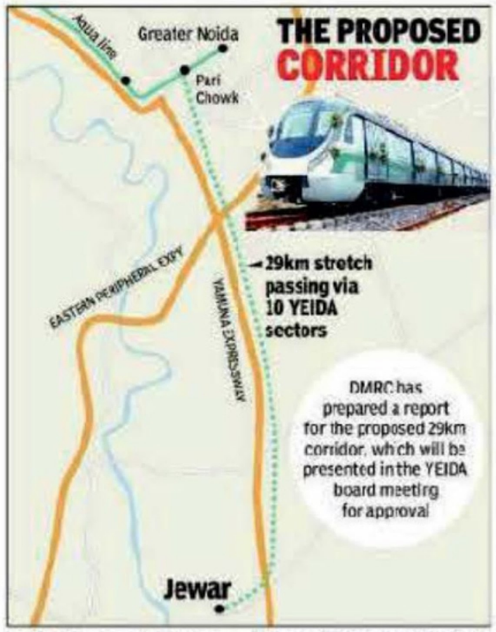

Greater Noida: As the UP government looks to launch the construction of the first phase of Jewar airport soon, it is considering building a 29km metro line to connect it with the newly commissioned Noida metro line. Pari Chowk has been proposed as the interchange station.

Officials said DMRC, which built the Noida metro, has completed the techno-feasibility report of the 29km corridor. The report will be presented to the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) next week and will be taken up at its 68th board meeting of the later this month.

The proposed corridor, fully elevated, from Pari Chowk to Jewar comprises a 3km section inside the airport to make accessibility easy. It will pass through sectors 17, 17A, 18, 20, 21, 22D, 22E, 28 and 29 of the YEIDA area.

"We are expecting the final feasibility report from DMRC on metro connectivity to Jewar via Pari Chowk in Greater Noida next Monday," YEIDA CEO Arunvir Singh said. "They have completed the report, including map study and route extension, which we will be presented in our board meeting for approval. Once cleared, we can expect work to begin on metro connectivity to Jewar sometime this year, following a decision on the central-state share of funding for the project," Singh added.

Singh, who is also nodal officer for Noida International Airport Limited (NIAL), a body constituted by the UP government last year to get the Jewar airport project rolling, added, "Metro connectivity to Jewar will be via Aqua line. For this, final logistics of an interchange at Pari Chowk Aqua line will be decided in our board meeting."

In the second phase, there's a proposal to connect Jewar airport to Indira Gandhi international airport in Delhi for which a techno-feasibility report will be prepared. Jewar airport is expected to become operational in 2022-23.

₹800cr allocated for Jewar airport

With Lok Sabha elections in sight, finance minister Rajesh Agarwal on Thursday presented UP's biggest-ever budget which had the distinct mark of chief minister Yogi Adityanath. So, while the government opened its purse strings for big-ticket infrastructure projects and social welfare schemes, there was generous allocation for developing religious sites and development of gaushalas. However, to balance it out and project its intention of 'inclusive growth', the government also jacked up allocation for modernisation of madrasas and scholarship for minority students.

Agarwal set aside Rs 800 crore for the Jewar international airport project, whose land acquisition process in under way. The minister also allocated nearly Rs 3,400 crore for the development of three new expressways — Purvanchal, Bundelkhand and Gorakhpur Link Expressway. With Ganga Expressway already announced last month, the three — along with Lucknow-Agra Expressway — will cover practically the entire state. However, the Ganga Expressway, announced with much fanfare during Kumbh cabinet last month, is yet to get a budgetary back up. The budget's size — at Rs 4.79 lakh crore — is approximately 11.4% bigger than the previous one. One-fifth of the budget has been earmarked for debt-servicing. TNN

Infrastructure

नस्लीय कमेंट पर ईशा ने मांगी माफी ▸p12

NBT नवभारत टाइम्स

तुलसी बोली, हिंदू होने की वजह से निशाने पर हूं ▸p12

अब परी चौक से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो चलाने की तैयारी

फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार, 10 दिन में डीएमआरसी इसे यमुना अथॉरिटी को सौंप देगा

■ प्रमुख संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

एक्वा लाइन के बाद अब ग्रेटर नोएडा से जेवर एयरपोर्ट मेट्रो की तैयारी शुरू हो गई है। इसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट फरवरी में होने वाली यमुना अथॉरिटी की बोर्ड बैठक में रखी जाएगी। रिपोर्ट में रूट को फिट बताया गया है। यह रूट करीब 28.6 किलोमीटर लंबा होगा। ये परी चौक के निकट एक्वा लाइन को कनेक्ट करेगी। सोमवार को यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने डीएमआरसी अधिकारियों से फिजिबिलिटी रिपोर्ट जल्द सौंपने के लिए कहा। उन्हें जानकारी दी गई कि रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। करीब दस दिनों में इसे यमुना अथॉरिटी के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। उसके बाद इसे फरवरी माह में होने वाली अथॉरिटी की बोर्ड बैठक में रखा जाएगा।

फिजिबिलिटी रिपोर्ट में ग्रेनो के परी चौक के निकट से जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट तक के रूट को सही बताया गया है। इस पर जमीन को लेकर भी समस्या नहीं आएगी, क्योंकि ये रूट जीरो पॉइंट के नजदीक से होता हुआ यमुना एक्सप्रेसवे के पैरलल ग्रीन बेल्ट से निकल जाएगा। यह मेट्रो यमुना अथॉरिटी क्षेत्र के आबादी वाले स्टेशनों पर रुकते हुए जाएगी। करीब 28.6 किलोमीटर लंबे इस रूट पर शुरुआत में 5 से 6 स्टेशन बनाए जा सकते हैं। बाद में आबादी बढ़ने पर स्टेशनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इसके बारे में डीपीआर तैयार होने पर पता चल सकेगा।

» सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन पर बनेगी सबसे बड़ी पार्किंग - पेज 3

28.6 किलोमीटर लंबा होगा रूट, एक्वा लाइन को परी चौक के पास कनेक्ट करेगी यह मेट्रो

फरवरी में होने वाली बोर्ड बैठक में रिपोर्ट पर चर्चा के बाद डीपीआर बनाने का होगा काम

5 से 6 स्टेशन हैं प्रस्तावित बाद में आबादी बढ़ने पर स्टेशनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है

खास बात

■ जेवर एयरपोर्ट से पहली उड़ान 2023 में प्रस्तावित है। एयरपोर्ट बनते ही मेट्रो की जरूरत पड़ेगी। लिहाजा एयरपोर्ट की एनसीआर के शहरों से कनेक्टिविटी के लिए काम शुरू किया गया है। योजना यह है कि एयरपोर्ट जाने वाले लोगों को रास्ते में कहीं रुकना न पड़े। वह सीधे एयरपोर्ट पर चेक इन और चेक-आउट करें।

■ एयरपोर्ट के टर्मिनल तक मेट्रो पहुंचेगी। इसके चलते एयरपोर्ट तक यात्री मेट्रो के जरिए आसानी से पहुंच सकेंगे। इस रूट के बनने से जेवर एयरपोर्ट नोएडा, दिल्ली, फरीदाबाद व गुड़गांव से भी मेट्रो के जरिए जुड़ जाएगी

हाईस्पीड मेट्रो के लिए भी बनेंगे प्लेटफॉर्म

ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट के लिए चलने वाली सामान्य मेट्रो के रूट के साथ ही हाईस्पीड एक्सप्रेस लाइन का भी प्रस्ताव है। एक्सप्रेस लाइन से जेवर और दिल्ली के एयरपोर्ट कनेक्ट किए जाएंगे। इसमें स्टेशनों की संख्या बेहद सीमित रखी जाएगी। ये 2 या 3 हो सकते हैं। इसे देखते हुए सामान्य मेट्रो के प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त लाइन बनानी होगी। लिहाजा एयरपोर्ट पर शुरुआत में फास्ट स्पीड और सामान्य दोनों तरह की मेट्रो के लिए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे।

❝ 10 दिनों में फिजिबिलिटी रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। फरवरी में इसे अथॉरिटी की प्रस्तावित बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। बोर्ड से मंजूरी के बाद इसे शासन को भेजा जाएगा। इसके बाद डीपीआर तैयार कराई जाएगी। - डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ

❝ ग्रेनो के बाद यमुना सिटी एरिया में मेट्रो चलाने का फैसला स्वागत योग्य कदम है। इससे जहां मेट्रो के जरिए एयरपोर्ट के यात्रियों को मदद मिलेगी, वहीं यमुना सिटी के सेक्टरों के लोगों को बेहद फायदा होगा। - आर. के. अरोड़ा, सीएमडी, सुपरटेक लि.

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

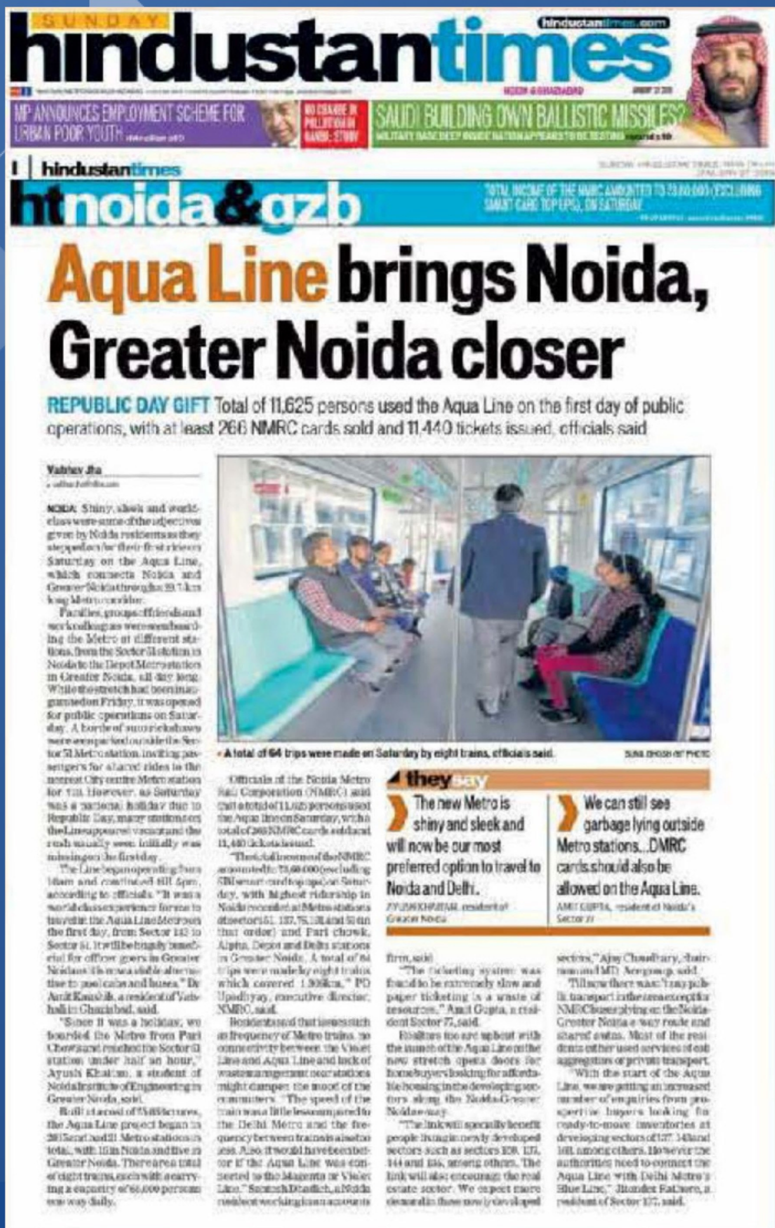

Aqua Line brings Noida, Greater Noida closer

REPUBLIC DAY GIFT Total of 11,625 persons used the Aqua Line on the first day of public operations, with at least 266 NMRC cards sold and 11,440 tickets issued, officials said

Vaibhav Jha

A total of 64 trips were made on Saturday by eight trains, officials said.

theysay

The new Metro is shiny and sleek and will now be our most preferred option to travel to Noida and Delhi.

We can still see garbage lying outside Metro stations...DMRC cards should also be allowed on the Aqua Line.

Yogi opens Aqua Line Metro to Greater Noida

ON TRACK 29.707km Noida to Greater Noida line operational today; journey between terminal stations to take 48 minutes

Cities across UP to be part of Metro grid

We successfully launched the Lucknow Metro last year. We have sent the detailed project report for Metro lines in Agra, Meerut and Kanpur and expect approvals soon.

The Metro line is an efficient transport option that will deal with Noida's traffic problems for the next 50 years.

Metro e-rickshaw service launched

The e-rickshaws will charge ₹10 per passenger. They will carry commuters within a radius of 4-5km. We will also launch a mobile application, through which e-rickshaws can be booked.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

hindustantimes

PLANS FOR ENDING SHUTDOWN REJECTED

HT WISHES ITS READERS A HAPPY REPUBLIC DAY

02 | hindustantimes

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI

htmetro

A VOTE FOR CHANGE MEANS CONGRESS: SHEILA

Second Metro corridor to G Noida gets green signal

BOOST New Aqua line to run from Noida Sec-71 to Knowledge Park-5 via G Noida West; Yogi throws open Phase 1

Upgrading connectivity

दैनिक जागरण

एलगार परिषद मामले में सुधा के खिलाफ आरोपपत्र 13

आतंकी हमले के राजनीतिकरण पर शाह ने कांग्रेस को फटकारा 14

2025 से जेवर एयरपोर्ट टर्मिनल तक दौड़ेगी मेट्रो

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जेवर एयरपोर्ट मेट्रो 2025 तक ट्रैक पर दौड़ेगी। इस परियोजना पर 5708 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। ग्रेटर नोएडा के परी चौक से जेवर एयरपोर्ट टर्मिनल तक मेट्रो के 25 स्टेशन होंगे। एयरपोर्ट टर्मिनल में मेट्रो भूमिगत होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ने जेवर मेट्रो की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यमुना प्राधिकरण को सौंप दी है। बोर्ड से मंजूरी के बाद परियोजना के लिए रकम जुटाने की संभावनाएं के लिए रिपोर्ट उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को भेजी जाएगी।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट टर्मिनल के लिए मेट्रो परी चौक से जाएगी। परी चौक से टर्मिनल तक ट्रैक की लंबाई 35.64 किमी होगी। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क दो से यमुना एक्सप्रेस-वे के समानांतर ग्रीन बेल्ट पर मेट्रो का ट्रैक एलिवेटेड होगा। जेवर के नंगलाहुकुम सिंह स्टेशन से मेट्रो भूमिगत हो जाएगी। एयरपोर्ट टर्मिनल स्टेशन भूमिगत होगा।

संबंधित खबर » जागरण सिटी

मेट्रो के प्रस्तावित स्टेशन

ग्रेटर नोएडा में नॉलेज पार्क दो, सेक्टर चाइ एक, चाइ दो, चाइ तीन व सेक्टर चाइ चार, गौतमबुद्ध विवि, नाइट सफारी, मुर्शदपुर, यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में सेक्टर-26ए, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, सेक्टर-17ए, स्पोर्ट्स सिटी, सेक्टर-22ए, 22बी, सेक्टर 18-एक, सेक्टर-22 सी, सेक्टर-19, सेक्टर 18-दो, सेक्टर बीस, सेक्टर-21, सेक्टर-28, सेक्टर-29, नंगला हुकुम सिंह, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट टर्मिनल स्टेशन।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

NBT
नवभारत टाइम्स
www.navbharattimes.com

अब यीडा सिटी में बनेंगे मेट्रो कोच

कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के बाद कंपनी को दे दिया जाएगा जमीन का पजेशन

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

यमुना अथॉरिटी में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इंडस्ट्री के प्लॉट के आवंटन की प्रक्रिया की गई

“ कंपनी ने रजिस्ट्रेशन मनी जमा करके जमीन आवंटन कराने के लिए आवेदन कर दिया है। मंगलवार को कंपनी से बात भी हुई है। कुछ औपचारिकताओं के बाद उन्हें यहां मेट्रो कोच बनाने की फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन आवंटित कर दी जाएगी। – डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना अथॉरिटी

स्टील के कोच बनाएगी कंपनी

भारतीय रेल को दे रही है सेवा

वेंडर कंपनियां भी देंगी रोजगार

20 एकड़ जमीन चिह्नित कर दी गई है कंपनी के लिए

25 हजार से करीब लोगों को इससे मिलेगा रोजगार

1200 करोड़ का निवेश करके सेक्टर 32 में बनाएगी कारखाना

मेक इन इंडिया का हिस्सा

स्किल सेंटर के लिए करार, मिलेंगे एक्सपर्ट कामगार

सेंटर के लिए 8704 वर्ग मीटर जमीन मुफ्त दी है

गारमेंट उद्योग के लिए 4 कंपनियों को जमीन दी

1600 से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
SINCE 1932

WILL CUT DISTANCE TO TWO-AND-A-HALF HOURS

Metro line connecting Jewar and Delhi airports to finish by 2024

ASHNA BUTANI
NOIDA, OCTOBER 21

ONCE THE Jewar Airport in Uttar Pradesh's Gautam Budh Nagar district is ready, it will be directly connected to the Delhi Airport via Metro, said officials of Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA).

Passengers can expect to travel from one airport to the other in two-and-a-half hours whereas those travelling from South Delhi to Jewar can expect to cover the distance in one-and-a-half hours once the link is ready.

RITES Limited, a Government of India enterprise, had submitted three different proposals to link the upcoming Jewar Airport with the Indira Gandhi International Airport last year.

METRO CONNECTIVITY TO SOUTH DELHI

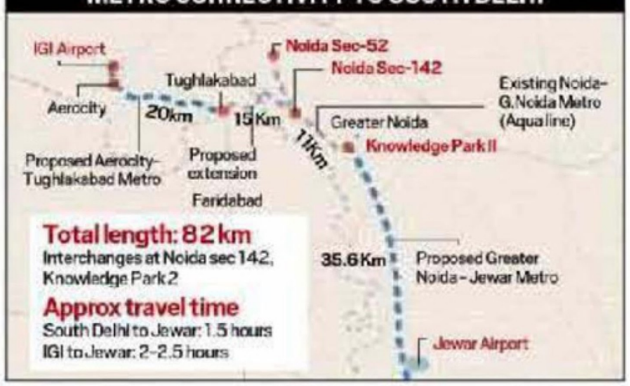

The plan selected by YEIDA involves three stages: Constructing a 20-km line between Aerocity and Tughlakabad, which is already being undertaken by Delhi Metro Rail Corporation (DMRC); a 15-km proposed extension from Tughlakabad to Noida Sector 142 on the Aqua line; and finally, a 35.6-km line between Knowledge Park and Jewar Airport. Passengers will have to change twice on this 82-km journey, at Noida Sector 142 and Knowledge Park II.

The line from Aerocity to Tughlakabad is a part of DMRC's Phase IV while construction of the other two corridors, currently handled by YEIDA, is estimated at Rs 8,248 crore.

The last and longest leg of the journey that starts at Knowledge Park II and ends in Jewar Airport is expected to cost Rs 5,708 crore and will have 25 stops.

"The proposed Metro will run from Aerocity, pass Tughlakabad, Noida and Greater Noida, and then head to Jewar. Hence, travelling from one airport to the other will be significantly easier," said Arunvir Singh, CEO, YEIDA. The airport and the Metro link are expected to be ready by 2024.

The Jewar Airport is expected to decongest Indira Gandhi International Airport, while providing easy access to areas such as Gautam Budh Nagar, Meerut, Bulandshahr, Mathura, and Agra.

"The project has been approved by the government, and estimates have been sent for approval. Once the funding pattern has been decided, work will start soon," Singh said. "The benefits of the project are manifold. It is not only connecting one airport to the other but also makes travel easier for those travelling from airport to Noida or South Delhi to Greater Noida."

He also said that even though the journey will terminate at Jewar, it will provide easy accessibility to a number of state highways and expressways and will make travel easier and shorter for those travelling from NCR to areas such as Rajasthan, Agra, and Mathura.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

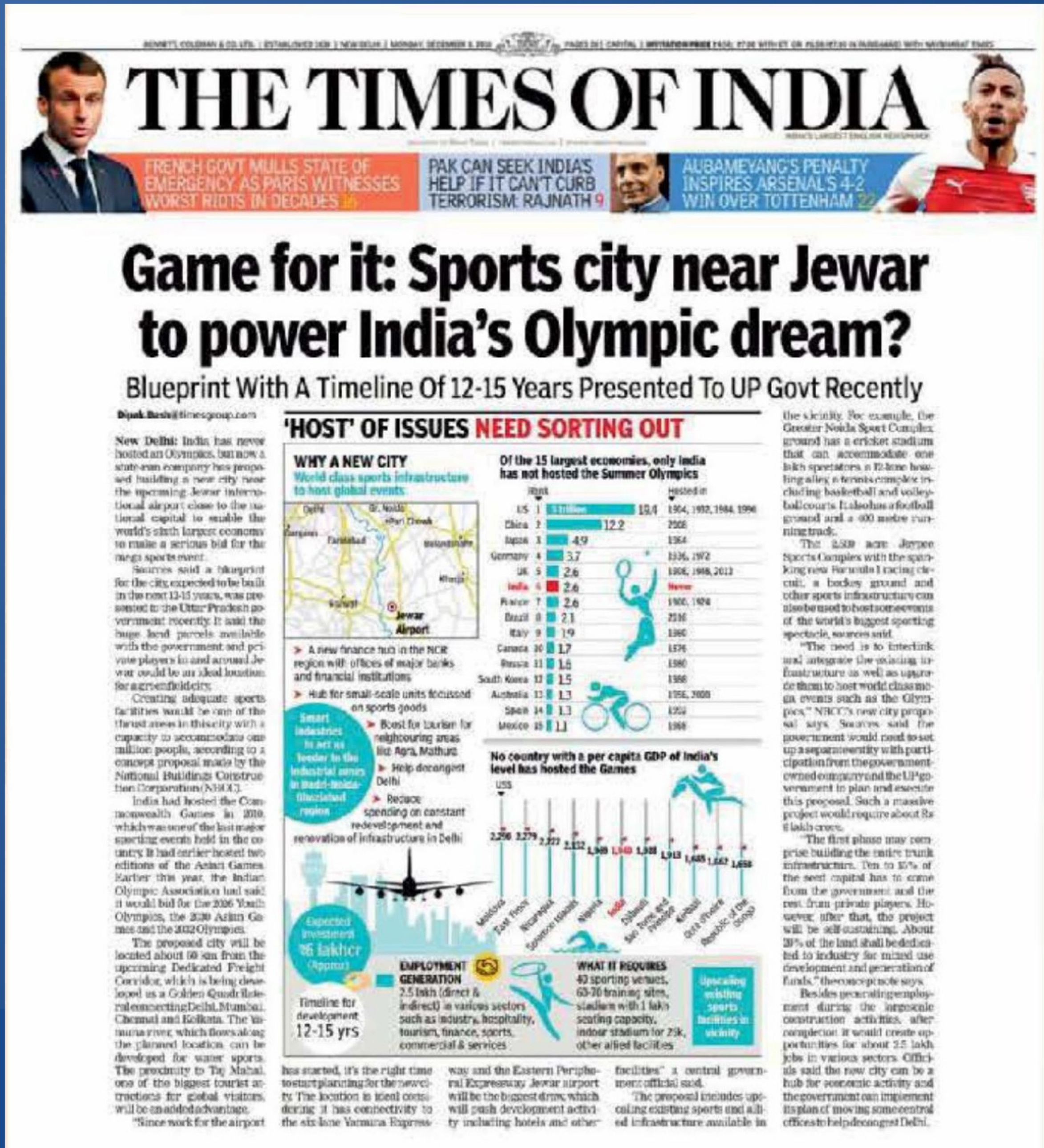

THE TIMES OF INDIA

FRENCH GOVT MULLS STATE OF EMERGENCY AS PARIS WITNESSES WORST RIOTS IN DECADES 16

PAK CAN SEEK INDIA'S HELP IF IT CAN'T CURB TERRORISM: RAJNATH 9

AUBAMEYANG'S PENALTY INSPIRES ARSENAL'S 4-2 WIN OVER TOTTENHAM 22

Game for it: Sports city near Jewar to power India's Olympic dream?

Blueprint With A Timeline Of 12-15 Years Presented To UP Govt Recently

Dipak.Dash@timesgroup.com

New Delhi: India has never hosted an Olympics, but now a state-run company has proposed building a new city near the upcoming Jewar international airport close to the national capital to enable the world's sixth largest economy to make a serious bid for the mega sports event.

Sources said a blueprint for the city, expected to be built in the next 12-15 years, was presented to the Uttar Pradesh government recently. It said the huge land parcels available with the government and private players in and around Jewar could be an ideal location for a greenfield city.

Creating adequate sports facilities would be one of the thrust areas in this city with a capacity to accommodate one million people, according to a concept proposal made by the National Buildings Construction Corporation (NBCC).

India had hosted the Commonwealth Games in 2010, which was one of the last major sporting events held in the country. It had earlier hosted two editions of the Asian Games. Earlier this year, the Indian Olympic Association had said it would bid for the 2026 Youth Olympics, the 2030 Asian Games and the 2032 Olympics.

The proposed city will be located about 50 km from the upcoming Dedicated Freight Corridor, which is being developed as a Golden Quadrilateral connecting Delhi, Mumbai, Chennai and Kolkata. The Yamuna river, which flows along the planned location, can be developed for water sports. The proximity to Taj Mahal, one of the biggest tourist attractions for global visitors, will be an added advantage.

"Since work for the airport has started, it's the right time to start planning for the new city. The location is ideal considering it has connectivity to the six-lane Yamuna Expressway and the Eastern Peripheral Expressway. Jewar airport will be the biggest draw, which will push development activity including hotels and other facilities," a central government official said.

The proposal includes upscaling existing sports and allied infrastructure available in the vicinity. For example, the Greater Noida Sport Complex ground has a cricket stadium that can accommodate one lakh spectators, a 12-lane bowling alley, a tennis complex including basketball and volleyball courts. It also has a football ground and a 400 metre running track.

The 2,500 acre Jaypee Sports Complex with the sparkling new Formula 1 racing circuit, a hockey ground and other sports infrastructure can also be used to host some events of the world's biggest sporting spectacle, sources said.

"The need is to interlink and integrate the existing infrastructure as well as upgrade them to host world class mega events such as the Olympics," NBCC's new city proposal says. Sources said the government would need to set up a separate entity with participation from the government-owned company and the UP government to plan and execute this proposal. Such a massive project would require about Rs 6 lakh crore.

"The first phase may comprise building the entire trunk infrastructure. Ten to 15% of the seed capital has to come from the government and the rest from private players. However, after that, the project will be self-sustaining. About 20% of the land shall be dedicated to industry for mixed use development and generation of funds," the concept note says.

Besides generating employment during the large-scale construction activities, after completion it would create opportunities for about 2.5 lakh jobs in various sectors. Officials said the new city can be a hub for economic activity and the government can implement its plan of moving some central offices to help decongest Delhi.

'HOST' OF ISSUES NEED SORTING OUT

WHY A NEW CITY

World class sports infrastructure to host global events

Delhi, Gr. Noida, Gurgaon, Faridabad, Jewar Airport

- A new finance hub in the NCR region with offices of major banks and financial institutions
- Hub for small-scale units focused on sports goods
- Boost for tourism for neighbouring areas like Agra, Mathura
- Help decongest Delhi
- Reduce spending on constant redevelopment and renovation of infrastructure in Delhi

Smart industries to act as feeder to the industrial zones in Dadri-Noida-Ghaziabad region

Of the 15 largest economies, only India has not hosted the Summer Olympics

Country	Rank	GDP ($ trillion)	Hosted in
US	1	19.4	1904, 1932, 1984, 1996
China	2	12.2	2008
Japan	3	4.9	1964
Germany	4	3.7	1936, 1972
UK	5	2.6	1908, 1948, 2012
India	6	2.6	Never
France	7	2.6	1900, 1924
Brazil	8	2.1	2016
Italy	9	1.9	1960
Canada	10	1.7	1976
Russia	11	1.6	1980
South Korea	12	1.5	1988
Australia	13	1.3	1956, 2000
Spain	14	1.3	1992
Mexico	15	1.1	1968

No country with a per capita GDP of India's level has hosted the Games

US$: 2,296; 2,279; 2,227; 2,132; 1,969; 1,940 (India); 1,938; 1,913; 1,685; 1,667; 1,658

Expected investment ₹6 lakh cr (Approx)

Timeline for development 12-15 yrs

EMPLOYMENT GENERATION
2.5 lakh (direct & indirect) in various sectors such as industry, hospitality, tourism, finance, sports, commercial & services

WHAT IT REQUIRES
40 sporting venues, 60-70 training sites, stadium with 1 lakh seating capacity, indoor stadium for 25k, other allied facilities

Upscaling existing sports facilities in vicinity

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

नई दिल्ली, मंगलवार
30 जून, 2020
ग्रेटर नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

विकास | प्रदेश सरकार की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर केंद्र ने जताई सहमति

एलिवेटेड रोड से जुड़ेंगे आइजीआइ व जेवर एयरपोर्ट

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आइजीआइ) से जोड़ने के लिए एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी। प्रदेश सरकार ने इसका प्रस्ताव केंद्र को भेजा था। केंद्र ने इस पर सहमति जताई है। जेवर एयरपोर्ट को कनेक्टिविटी देने के लिए मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट पर स्टडी कराई जा चुकी है।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को आइजीआइ दिल्ली से जोड़ने के लिए एलिवेटेड रोड बनाने की योजना है। प्रदेश सरकार की ओर से इसका प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया था। हालांकि यह प्रस्ताव काफी दिनों तक ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक केंद्र ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए एलिवेटेड रोड के लिए सहमति जताई है। इस प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए केंद्र के साथ यमुना प्राधिकरण के अधिकारी समन्वय करेंगे। दोनों के आपस में जुड़ने से यात्री बहुत कम समय में एक से दूसरे एयरपोर्ट पर आ जा सकेंगे। यमुना प्राधिकरण ने जेवर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए राइट्स से मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट पर स्टडी कराई थी। इस रिपोर्ट को केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय व शहरी विकास मंत्रालय को भेजा गया था। जेवर एयरपोर्ट को सबसे अधिक यात्री दिल्ली-एनसीआर से मिलने का अनुमान है। इसलिए दिल्ली एनसीआर में जेवर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी पर खास जोर है। इसे मेट्रो व सड़क से जोड़ने की योजना है।

गंगा एक्सप्रेस-वे से कनेक्टिविटी के लिए तलाशी जाएंगी संभावनाएं

गंगा के किनारे प्रस्तावित एक्सप्रेस वे से जेवर एयरपोर्ट को कनेक्टिविटी देने के लिए भी संभावनाएं तलाश की जाएंगी। मेरठ से प्रयागराज के लिए प्रस्तावित इस एक्सप्रेस वे से जेवर एयरपोर्ट को बुलंदशहर में जोड़ने की संभावनाएं तलाश की जाएंगी। यमुना प्राधिकरण ने इसके लिए गंगा एक्सप्रेस वे का प्लान मंगाया है। उल्लेखनीय है कि ईस्टर्न व वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे से भी जेवर एयरपोर्ट को कनेक्टिविटी देने की योजना है।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

hindustantimes.com
NEW DELHI/METRO/NOIDA/GHAZIABAD
Thursday, October 22, 2020

Hindustan Times
FIRST VOICE. LAST WORD.

Yeida to raise funds for projects around airport via infra bonds

Many critical projects planned around the proposed airport in Jewar are expected to cost around ₹10,000 crore

Vinod Rajput
vinod.rajput@htlive.com

GREATER NOIDA: The Yamuna Expressway industrial development authority (Yeida) has decided to raise funds via infrastructure bonds for development projects and land acquisition around the Noida International Greenfield airport coming up at Jewar. This is the first time in Uttar Pradesh that a land owning agency will raise funds this way.

While officials said that banks were eager to lend to Yeida after the airport project was approved, the authority believes raising funds through bonds could get it low cost funds.

Many critical infrastructure projects are expected to be built around the Jewar airport. A high-speed Metro line, an extension of the Eastern Peripheral Expressway and other road projects are part of the plan, which is expected to cost around ₹10,000 crore. Jewar is 70km away from Delhi and 30 km away from Greater Noida and hence, these links are critical in providing connectivity.

"We have hired a Brickwork Ratings that will assess and rate us. It has been mandated to complete the assessment in next two months. Once the ratings will be out we can start raising funds via these instruments. But the rating should be in at least category A or better with A+++ to start raising funds with infrastructure bonds," said Arun Vir Singh, chief executive officer of the Yedia. "The industrial bodies in Hyderabad and Pune are already selling infrastructure bonds to fund their projects."

| ARUN VIR SINGH | YEIDA CEO

We are going for infra bonds as these will make available funds at lower interest and investors also can get better returns.

Yeida expects that its market value would have increased after the Switzerland company Zurich International AG signed the agreement to build the airport. Work is scheduled to start by the middle of next year and completed by 2023.

The Uttar Pradesh government on April 24, 2001, had established Yeida to set up industries to generate employment and develop urban areas along the expressway that connects Greater Noida with Agra. Around 200,000 hectares from 1,187 villages of six districts -- Gautam Budh Nagar, Bulandshahr, Aligarh, Hathras, Mathura and Agra -- were notified under Yeida. So far, it has acquired around 16,000 hectares of land for its various schemes.

In 2012, it borrowed around ₹3,000 crore from banks and the Noida authority at a rate of 9.5% and 12%, repectively.

"Before the airport project was approved, banks were reluctant to provide loan to us, but now everyone wants to give. However, going for bonds will make available funds at lower interest and investors also can get better returns," said Singh.

"The government agencies can go to raise funds via selling bonds. In these bonds the public can directly invest infrastructure projects and earn safely," said Neeresh Kumar chartered account and expert in finances.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

NBT
नवभारत टाइम्स

कोरोना से डरें नहीं, लड़ें

जीटी रोड से ग्रेनो वेस्ट की कनेक्टिविटी होगी बेहतर

सड़क होगी चौड़ी, ग्रेनो वेस्ट और 12 से अधिक गांवों को होगा फायदा

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

जीटी रोड के आसपास ग्रेनो फेज 2 को ग्रेनो वेस्ट से कनेक्ट करने के लिए सड़क को चौड़ा किया जाएगा। इस पर 12 करोड़ 55 लाख रुपये खर्च होंगे। यह कार्य सोमवार से शुरू हो गया। दादरी विधायक तेजपाल नागर ने 12वीं में जिला टॉप करने वाली सादुल्लापुर की छात्रा अनुभा नागर से फीता कटवा कर इसका शुभारंभ कराया। इस सड़क के निर्माण से ग्रेनो वेस्ट और 12 से अधिक गांवों को फायदा होगा।

दादरी विधायक ने किया निर्माण कार्य का भूमि पूजन

■ अभी ग्रेनो वेस्ट से बैदपुरा और सादुल्लापुर होते हुए जीटी रोड तक जाने के लिए टूटी और संकरी सड़क है

■ इस रूट पर पड़ने वाले खेड़ी गांव के पास बने पुल को 51 लाख रुपये खर्च कर चौड़ा किया जाएगा

संकरे पुल होंगे चौड़े

इन गांवों के लोगों को फायदा

130 मीटर एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे

अगस्त में बनने लगेगा नोएडा द्वार

5 करोड़ से बनेगा ग्रेनो वेस्ट से छपरौला रूट

Hindustan Times
Hindustan Times | NOIDA & GHAZIABAD

NEAR JEWAR AIRPORT

Land picked for six new police stns

Vinod Rajput
vinod.rajput@htlive.com

GREATER NOIDA: The Yamuna Expressway Industrial Development Authority (Yeida) chief executive officer Arun Vir Singh and Gautam Buddha Nagar police commissioner Alok Singh on Monday identified locations for new six police stations, as well as residential facilities to be built for the police, along the Yamuna Expressway.

The officials conducted a comprehensive exercise to finalise the land. "It was a comprehensive exercise for the scheduled Noida International Greenfield Airport at Jewar, the Film City and the industrial sectors and newly developed residential areas along the Yamuna Expressway. We have finalised the land for the police offices and residences for future requirements of this area," said the police commissioner.

On October 30, 2020 the Yeida has sent a proposal to the Uttar Pradesh government for six new police stations and other facilities in view of the upcoming multiple projects in the area.

The new police stations are to be built in sectors 18, 20, 22D, 25A, 29 and Dayanatpur, said Yeida and police officers, where police residences will be built as well.

"We will prepare the estimate to approve budgets for these projects. Subsequently, we will present the budget in our upcoming board meeting for approvals. We will start work at the site in the next two months' time and these stations will be ready by the end of 2021. We needed police stations for our new residential areas meant for farmers, allottees, the airport, Film City and industrial sectors," said the CEO of Yeida, which will fund and build these stations along the expressway.

The Uttar Pradesh government has directed the Yeida and the police to build facilities and upgrade the policing apparatus before the airport at Jewar is developed by 2023-24, said officials. Swiss firm Zurich International AG, the concessionaire, is likely to start work at the site by mid-2021.

Following demands from Jewar MLA Dhirendra Singh, one police station has been approved in Sector 25A, where residential plots have been allotted to farmers whose land was acquired for projects.

"We need to focus on development in a manner so that services can be delivered to all sections, be it farmers, investors or allottees, who want to build houses along the Yamuna Expressway," said the MLA, who accompanied the officials during the inspection.

ARUN VIR SINGH | CEO, YEIDA

We will ready the estimate and present it in the board meeting; these stations will be ready the end of 2021.

HT

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

अमर उजाला

नई दिल्ली
बृहस्पतिवार, 11 फरवरी 2

amarujala.com | पश्चिम बंगाल | नड्डा का वार-मां, माटी और मानुष का नारा तानाशाही में बदला...11 | दिल्ली-एनसीआर

फिल्म सिटी में संग्रहालय, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और हेलीपैड भी बनेंगे

यीडा के दफ्तर पहुंचे राजू श्रीवास्तव व फिल्म बंधु की टीम ने साइट का किया निरीक्षण

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यीडा सिटी में फिल्म सिटी सिर्फ शूटिंग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि संग्रहालय के जरिये फिल्मों के इतिहास से भी रू-ब-रू कराएगी। साथ ही, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से कलाकारों की कला को भी निखारा जाएगा। बुधवार को यमुना प्राधिकरण आए उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष व हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव ने भी प्रदेश सरकार के इन दावों को पुख्ता किया।

राजू टीम के साथ दोपहर करीब एक बजे पहुंचे। पहले तो उन्होंने सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह, एसीईओ मोनिका रानी, रविंद्र सिंह व ओएसडी शैलेंद्र भाटिया के साथ बैठक कर फिल्म सिटी की प्रगति रिपोर्ट जानी। इसके बाद मीडिया से मुखातिब हुए। राजू ने कहा कि 2023 के अंत में नोएडा एयरपोर्ट, बुलेट ट्रेन व फिल्म सिटी प्रोजेक्ट एक साथ शुरू होंगे। योगी पार्ट टू में फिल्मों की शूटिंग फिल्म सिटी स्टूडियो से शुरू होगी। यहां गंदगी नहीं होगी। साफ-सुथरी फिल्म बनेगी। सेंसर बोर्ड का एक ऑफिस यहां भी होगा, इसके लिए निवेदन किया गया है।

फिल्म सिटी को विश्वस्तरीय बनाने के लिए विशेषज्ञों की सलाह ली जा रही है। विश्वस्तरीय बनाने पर ही हम मुंबई के फिल्मकारों को आकर्षित कर पाएंगे। अन्यथा उनके पास और भी विकल्प हैं। परियोजना रिपोर्ट 20 फरवरी को आ जाएगी जिससे पता चलेगा कि इसे किस मॉडल पर बनाया जाए। उन्होंने पीपीपी मॉडल पर इसे बनाने पर जोर दिया, जिसमें किसी एक कंपनी को इसे विकसित करने का जिम्मा दे दिया जाएगा।

यीडा में मीडिया से बातचीत के बाद सेक्टर-21 में फिल्म सिटी की साइट का मुआयना करते राजू श्रीवास्तव। माई सिटी फोटो

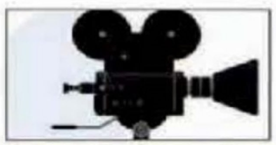

2023 में एयरपोर्ट, बुलेट ट्रेन व फिल्म सिटी एक साथ होंगे शुरू

जमीन प्राधिकरण की होगी। कलाकार शूटिंग करने के लिए इसे बुक करा सकेंगे। यहां फिल्म बनाने से जुड़ी हर सुविधा दी जाएगी। यहां संग्रहालय बनेगा, ताकि लोग फिल्मों का इतिहास जान सकें। हेलीपैड भी होगा। नए कलाकारों की कला को निखारने के लिए ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भी खुलेगा। यहां की कनेक्टिविटी बहुत बेहतर है। इसके बाद राजू सेक्टर-21 स्थित साइट पर भी गए। फिल्म सिटी की चिह्नित जगह पर उन्होंने संतोष जताया।

सेंसर के दायरे में आएं ओटीटी प्लेटफॉर्म

राजू श्रीवास्तव ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सेंसर तो है नहीं, जो चाहो वह डाल दो। इनको भी सेंसर बोर्ड के दायरे में लाना चाहिए। किसान आंदोलन पर कलाकारों के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए राजू ने कहा कि ट्वीट देशहित में हो तो ज्यादा अच्छा है। ऐसे ट्वीट से बचना चाहिए, जिससे अलगाव होता हो। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, किसान आंदोलन पर रिहाना के ट्वीट पर उन्होंने सवाल किया, 'रिहाना कौन है?'

उद्धव पर तंज

राजू ने कहा कि यह फिल्म सिटी मुंबई का विकल्प नहीं, बल्कि कलाकारों के लिए सुविधा का विस्तार है। उद्धव ठाकरे मराठी वोटरों को मैसेज देने के लिए बयानबाजी कर रहे हैं। फिल्म सिटी मुख्यमंत्री योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट तय समय से पहले बनेगा। स्थानीय भाषा की फिल्मों को बढ़ावा दिया जाएगा।

गजोधर भैया भी बने

राजू ने गजोधर भैया के स्टाइल में अखिलेश यादव पर तंज भी कसा। बोले, मुलायम सिंह से मैंने पूछा कोरोना के बारे में। वे एकदम भड़क गए। मुलायम सिंह बोले, आप लोग लॉकडाउन से परेशान हो गए। लॉकडाउन आपसे बर्दाश्त नहीं हुआ। लॉकडाउन से फायदा भी हुआ है। लॉकडाउन से सब लोग परिवार के साथ बैठकर खाना खाते थे। लॉकडाउन में ही हम, शिवपाल, अखिलेश सब बैठकर रोज खाना खाए तो यह लॉकडाउन से पता चला कि अखिलेश भी अच्छा लड़का है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चुटकी ली कि ये तो रेलवे के टीटी की तरह है, जिसमें यात्री पूछते हैं कि अरे ओ...टीटी, बर्थ है।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

नई दिल्ली, मंगलवार
29 दिसंबर, 2020
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 12+4=16

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

फास्टैग एप में दिखेगा बैलेंस 6
आइसीसी के दशक के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बने कोहली 8

दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड रेल के लिए चल रहा एसआइए सर्वे

750 यात्रियों की रेल में बैठने की होगी व्यवस्था, यात्रियों को आगरा तक पहुंचने में लगेंगे मात्र 54 मिनट

जासं, ग्रेटर नोएडा : दिल्ली-वाराणसी हाइस्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सोशल इंपैक्ट एसेसमेंट (एसआइए) सर्वे शुरू हो गया है। कॉरिडोर के लिए जिन किसानों की जमीन ली जाएगी, उन पर परियोजना के सामाजिक, आर्थिक प्रभाव के आकलन के साथ अन्य ब्योरा एकत्र किया जा रहा है। अलीगढ़ जिले की खैर तहसील में इस सर्वे का काम चल रहा है। एसआइए का कार्य पूरा होने के बाद ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को जोड़ने के लिए 816 किमी लंबे हाइस्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण होगा। यह कॉरिडोर दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होकर वाराणसी तक जाएगा। उत्तर प्रदेश के कई बड़े एवं औद्योगिक शहरों को जोड़ेगा। हाई स्पीड से दिल्ली से वाराणसी तक की यात्रा महज चार घंटे में पूरी होगी।

12 स्टेशन आएंगे दिल्ली वाराणसी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर में। दिल्ली से वाराणसी तक पहुंचने में लगेंगे मात्र चार घंटे

816 किलोमीटर लंबा होगा हाईस्पीड रेल कॉरिडोर, कई बड़े औद्योगिक शहरों के विकास को मिल सकेगी रफ्तार

तीन चरणों में पूरी होगी परियोजना

यह परियोजना तीन चरणों मे पूरी होगी। 2025 तक पहला फेज व 2028 तक तीनों फेज पूरे हो जाएंगे। पहले फेज में दिल्ली से आगरा, दूसरे में आगरा से लखनऊ व तीसरे में लखनऊ से वाराणसी शामिल है। दिल्ली से आगरा के बीच कॉरिडोर करीब 195 किमी लंबा होगा, जबकि आगरा से लखनऊ 316, लखनऊ से प्रयागराज 183 व प्रयागराज से वाराणसी 122 किमी होगा। इस पर करीब तीन सौ किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हाइस्पीड रेल दौड़ेगी।

1.21 लाख करोड़ आ सकती है इस कॉरिडोर के निर्माण की लागत

अलीगढ़ में शुरू हुआ सर्वे

हाईस्पीड रेल के लिए एसआइए सर्वे शुरू हो चुका है। फिलहाल अलीगढ़ जिले की खैर तहसील क्षेत्र में यह सर्वे किया जा रहा है। इसके तहत जमीन के स्वामी, जमीन की प्रकृति, जाति, परियोजना के लिए जमीन की सहमति, जमीन में मुआवजे के अलावा अन्य सहायता की अपेक्षा, परियोजना के लिए भूमि का क्षेत्रफल, उस पर बने भवन आदि की जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि अभी गौतमबुद्ध नगर में एसआइए सर्वे शुरू नहीं हुआ है। एसडीएम जेवर रजनीकांत का कहना है कि अभी जेवर क्षेत्र में परियोजना के लिए एसआइए शुरू नहीं हुआ है।

एसआइए सर्वे में इस तरीके से भरे जा रहे फॉर्म ● जागरण

गौतमबुद्ध नगर में दो स्टेशन

गौतमबुद्ध नगर में हाईस्पीड रेल के दो स्टेशन होंगे। सरायकाले खां के बाद पहला स्टेशन नोएडा सेक्टर 148 होगा। दूसरा स्टेशन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। इसके बाद यह ट्रैक यमुना एक्सप्रेस वे समानांतर जाएगा। आगरा से यह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के समानांतर होकर जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को हाईस्पीड रेल से कनेक्टिविटी दी जाएगी। एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग में इसका स्टेशन बनाने की योजना है। दिल्ली से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तकरीबन बीस मिनट में पहुंचा जा सकेगा।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

यमुना प्राधिकरण डीपीआर बनाने के लिए जल्द विशेषज्ञ कंपनी का चयन करेगा

जेवर एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के बीच पॉड टैक्सी चलेगी

जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर और फिल्म सिटी के बीच पॉड टैक्सी चलेगी। इसको 2023 तक चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 5.5 किलोमीटर का ट्रैक बनाया जाएगा। प्रदेश में यह पहली पॉड टैक्सी होगी। इसकी डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाने के लिए यमुना प्राधिकरण जल्द विशेषज्ञ कंपनी का चयन करेगा।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में एयरपोर्ट, फिल्म सिटी, हेरिटेज सिटी समेत कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने वाला है। इन परियोजनाओं के शुरू होने से यहां पर आने-जाने वाले लोगों में इजाफा होगा। जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए कई विकल्पों पर काम चल रहा है।

ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो चलाई जाएगी, लेकिन यह मेट्रो एक्सप्रेस होगी। इसके लिए सिर्फ पांच-छह स्टेशन बनेंगे। इसको देखते हुए यीडा ने पॉड टैक्सी शुरू करने की तैयारी की है। दरअसल यीडा ने पहले ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट तक पॉड टैक्सी चलाने की तैयारी की थी, लेकिन अब यहां मेट्रो बुलेट ट्रेन पर काम चल रहा है।

खास

1. पॉड टैक्सी बिना ड्राइवर और कंडक्टर के चलेगी। सफर करते हुए न तो रेड सिग्नल मिलेगा और न ही ट्रैफिक जाम
2. यह बैटरी से चलेगी। इससे प्रदूषण नहीं फैलेगा। यह ट्रैक रूट पर चलेगी या केबिल के सहारे हैंगिंग होगी
3. यह कंप्यूटर सिस्टम से चलेगी। टच स्क्रीन पर जगह का नाम टाइप करना होगा फिर तय स्टेशन पर रुकेगी

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर भी जुड़ेंगे

पॉड टैक्सी से यमुना प्राधिकरण के सेक्टर भी जुड़ जाएंगे। इस ट्रैक के बीच यमुना प्राधिकरण के औद्योगिक सेक्टर भी आएंगे। इसमें ट्वाय सिटी भी शामिल है। इससे प्राधिकरण के सेक्टरों को भी फायदा मिलेगा।

इन देशों में चल रही

वेस्ट वर्जीनिया में 1970 से पॉड टैक्सी चल रही है। इसके अलावा अबू धाबी में इस्तेमाल किया जा रहा है। लंदन के हीथ्रो में पॉड टैक्सी चलती है। यहां पर 3.8 किलोमीटर का ट्रैक है। इसकी गति 60 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसमें तीन से छह यात्री आते हैं। हालांकि, यमुना प्राधिकरण में चलने वाली पॉड टैक्सी में यात्रियों की संख्या अधिक रहेगी। यह 5 से 10 मीटर की ऊंचाई पर चलेगी।

आने-जाने में आसानी

मेट्रो व बुलेट ट्रेन के स्टेशन कम होने से फिल्म सिटी और एयरपोर्ट के बीच आने-जाने के लिए बेहतर विकल्प नहीं होंगे। इसको देखते हुए यमुना प्राधिकरण ने इन दोनों के बीच पॉड टैक्सी चलाने का फैसला लिया है। पहले की तुलना में पैसा भी कम लगेगा। एयरपोर्ट से लोग फिल्म सिटी आसानी से आ सकेंगे। साथ ही, यह एक तरह का पर्यटन भी हो जाएगा।

5.5 किलोमीटर का ट्रैक होगा एयरपोर्ट से फिल्म सिटी के बीच

130 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है इसकी गति

05 से 10 मीटर की ऊंचाई पर चलेगी पॉड टैक्सी

जल्द प्रक्रिया शुरू होगी

यमुना प्राधिकरण पॉड टैक्सी की डीपीआर विशेषज्ञ एजेंसी से बनवाएगा। इसके लिए आरएफपी निकाला जाएगा। प्राधिकरण का कहना है कि इसके लिए जल्द ही रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जल्द निकाल दिया जाएगा ताकि परियोजना पर काम शुरू किया जा सके।

"एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के बीच पॉड टैक्सी चलाई जाएगी। इसके लिए विशेषज्ञ एजेंसी से डीपीआर बनवाई जाएगी। इसके लिए जल्द आरएफपी निकाला जाएगा।

-डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण

Infrastructure

अमर उजाला
नई दिल्ली
बुधवार, 15 फरवरी 2017
amarujala.com

आज उड़ान
बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समय प्रबंधन टिप्स

दिल्ली-एनसीआर

यमुना सिटी में रखी पतंजलि उद्योग की नींव, भूमिपूजन हुआ

अमर उजाला ब्यूरो
ग्रेटर नोएडा/रबूपुरा।

यमुना प्राधिकरण की स्थापना के 15 साल 9 महीने और 20 दिन बाद पतंजलि उद्योग के रूप में पहली इंडस्ट्री की आधारशिला मंगलवार को रखी गई। सेक्टर-24 में पतंजलि उद्योग के सीएमडी आचार्य बालकृष्ण ने विधिवत पूजा-पाठ के बाद उद्योग की नींव रखी। यहां दिवाली के आसपास उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है। भूमिपूजन कार्यक्रम सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर 2 बजे तक चला। हवन कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण के अलावा यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह और डीएम एनपी सिंह भी शामिल हुए।

आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि पतंजलि उद्योग में नशा करने वाले युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा। उनका मकसद सिर्फ उद्योग लगाकर मुनाफा कमाना नहीं है, बल्कि इसके जरिये दिल्ली-एनसीआर में नशा मुक्ति के लिए मुहिम भी चलाई जाएगी। अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ा जाएगा। किसानों से सीधे फसल लेकर खाद्य पदार्थों का उत्पादन किया जाएगा, ताकि लोगों का सस्ती और शुद्ध खाद्य सामग्री मिल सके। आचार्य ने यह भी कहा कि विदेशी कंपनियों के महंगे उत्पाद को बढ़िया बताकर लोगों को ठगा जा रहा था। आम आदमी शुद्ध खाद्य सामग्री नहीं ले पाता था। पतंजलि उद्योग ने शुद्ध और कम कीमत पर अच्छे उत्पाद लाकर गरीब-अमीर की खाई को कम किया है। यह मिशन आगे भी जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की स्वदेशी परिकल्पना को पतंजलि और बाबा रामदेव ने साकार किया है। आचार्य ने इस क्षेत्र में उद्योग लगाने का श्रेय यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह को देते हुए उन्हें मोमेंटो भी प्रदान किया। साथ ही राज्य सरकार के सहयोग की भी सराहना की। इस मौके पर बड़ी तादात में किसानों के अलावा एसडीएम सदर राजेश कुमार सिंह, भाकियू (भानु) श्योराज सिंह रावल, महेंद्र सिंह चौरोली, सरदार मंजीत सिंह, मनोज गर्ग आदि मौजूद रहे। करीब 455 एकड़ क्षेत्र में लग रहे पतंजलि फूड एंड हर्बल प्रोडक्ट उद्योग के जरिये इस क्षेत्र में करीब 1666 करोड़ रुपये के निवेश की योजना है। इससे करीब 10 हजार युवाओं को प्रत्यक्ष और 60 से 70 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सकेगा। इस क्षेत्र में सबसे बड़ा फूड पार्क स्थापित किया जाएगा।

सेक्टर-24 में पतंजलि उद्योग के लिए भूमिपूजन के मौके पर यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह को मोमेंटो देते आचार्य बालकृष्ण।

सेक्टर-24 में आचार्य बालकृष्ण ने कहा-नशा करने वाले युवाओं को रोजगार नहीं

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | NEW DELHI | FRIDAY, DECEMBER 29, 2017 | PAGES 48 | CAPITAL | INVITATION PRICE ₹4.50; ₹7.00 WITH ET OR ₹6.50 WITH NAVBHARAT TIMES

THE TIMES OF INDIA

INCLUSIVE OF DELHI TIMES | TIMESOFINDIA.COM | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM

Lava, Oppo get nod for Noida units

Rajiv.Srivastava
@timesgroup.com

The UP government has approved 35 acres of land off the Yamuna Expressway for Lava. Oppo has also sought 55 acres for a unit at Greater Noida

Lucknow: The state government has given its nod to Lava International Ltd to set up its manufacturing unit on 35 acres of land on Yamuna expressway. The company proposes to invest Rs 2,615 crore for it, sources said.

Similarly, the request of smartphone manufacturer Oppo Mobiles for 100 acres in Greater Noida with a proposed investment of Rs 2,000 crore has also been approved by the Yogi cabinet, confirmed officials.

Besides, Oppo Mobiles has also sought 55 acres for a unit at Greater Noida with a proposed investment of Rs 1,000 crore. This request is pending with the Union government for a nod before UP cabinet's approval, sources said.

Century Development Corporation (CDC) has also sought 170 acres in ESDM Park at Greater Noida for manufacturing mobile phones with an approximate investment of Rs 3,000 crore. According to officials, CDC is in process of taking over the land. Another firm, Optiemus Electronics Limited also sought 25 acres for manufacturing mobile phones with a proposed investment of Rs 824 crore. In all, around 15 companies, mostly mobile manufacturers, have sought land to set up their units or expand existing ones in Greater Noida and Yamuna Expressway. In total, these companies have proposed investment of Rs 11,313 crore.

The state government has also paved the way for mobile giant Samsung to expand its unit at Noida and it may become operational by next year, sources said. "The project was cleared by the Akhilesh Yadav government but it remained stuck since June 2016. However, once Yogi government came to power, things started moving fast," said sources.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

नोएडा › बुधवार, 15 फरवरी 2017 › माघ 26 शक 1938 › फाल्गुन कृष्ण 5 विक्रम 2073

YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

पेज 26* › मूल्य 5.00 रु. या 7.00 रु. द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

www.nbt.in

NBT
नवभारत टाइम्स

AAP सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश किया
देखें अंदर

शशिकला का सीएम बनने का सपना टूटा
देखें अंदर

NOC जरूरी p2 ▶ 3 मिनट थमी सभी मेट्रो p2 नोएडा ▶ बेची 1 करोड़ की हेरोइन p3 ▶ IGI पर

सबसे बड़े फूड पार्क का निर्माण शुरू

एस, ग्रेनो : यमुना सिटी में यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे पतंजलि हर्बल फूड पार्क का निर्माण कार्य मंगलवार को शुरू हो गया। निर्माण कार्य शुरू करने से पहले बाबा रामदेव के सहयोगी बालकृष्ण ने यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह, डीएम एन. पी. सिंह समेत पुलिस प्रशासनिक अधिकारी व एरिया के किसानों के साथ विधि विधान से भूमि पूजन किया। बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे 455 एकड़ जमीन ली है। यहां 1666 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। फूड पार्क बनने से यहां करीब 85 हजार नौकरियां मिलेंगी। विभिन्न पदों पर इन नौकरियों के लिए दो साल में इस हर्बल पार्क का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि हर्बल पार्क का मकसद स्वेदशी अपनाने के प्रति आम लोगों में बढ़ावा फैलाना है।

Anil

बाबा रामदेव के सहयोगी बालकृष्ण ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ किया भूमिपूजन

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

THE TIMES OF INDIA

lenskart
HAPPYTIMES
Diwali Dhamaka!
Cars and E-Bikes

Work on textile park near airport site by Dec

Cluster Likely To Be Ready In Three Years

Meenakshi Sinha
@timesgroup.com

Land allotted	Where	Expected Investment	Jobs to be generated
200 acres	Sec 29	₹5,000 cr	5 lakh

- 84 NAEC members allotted land
- 24 allottees from NAEC have paid land dues

Greater Noida: The development of the textile park near the upcoming Jewar international airport in Sector 29 of Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) area is likely to begin later this year, officials said. The cluster, which is expected to be ready in three years, is likely to bring Rs 5,000 cr investment and provide five lakh jobs.

While YEIDA has already allotted 200 acres in the sector to Noida Apparel Export Cluster (NAEC), the latter has demanded the designated 30% land subsidy prior to setting up of units. But this demand has been turned down by UP chief secretary's empowered committee, saying the subsidy will be given after the units become operational.

"The apparel cluster park is a Rs 5,000 crore investment which will give employment opportunities to 5 lakh people. The MoU for the cluster was signed in January 2018. YEIDA had earlier identified 200 acre land in Sector 29, which was given to Noida Apparel Export Cluster (NAEC)," Shailendra Bhatia, officer on special duty, YEIDA, told **TOI**.

According to Bhatia, the NAEC had demanded individual allotments for its members, which YEIDA agreed. For this, NAEC gave a list of 84 members. "YEIDA gave allotment to all in Sector 29 on the 200 acre designated land. Of the total 84 members, 24 allottees have already deposited their allotment money," he said.

Lalit Thukral, president of NAEC, said all kinds of garments, textile, raw materials like yarns will be manufactured from this cluster.

Earlier this month, Union minister for textile and women and child development, Smriti Irani, on her visit to Noida, had lauded the textile cluster as the biggest and said it would boost textile growth as well as provide largescale job opportunities.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

hindustantimes

BJP, CONGRESS RELEASE FIRST LISTS OF CANDIDATES FOR JHARKHAND ASSEMBLY POLLS

NO ODD-EVEN TODAY AND TOMORROW

CHAHAR'S 6 WICKETS GIVE INDIA 2-1 WIN

hindustantimes | noida

IN JEWAR, YAMUNA E-WAY AREA

A developer firm for the Jewar airport is likely to be finalised by the end of November. BIPLOV BHUYAN/HT ARCHIVE

Airport attracted ₹11,325 cr worth of investments this yr

Vinod Rajput

GREATER NOIDA: The Noida International Greenfield Airport, scheduled to come up in Jewar along the 165km Yamuna Expressway, continues to boost investment in the industrial town. According to Greater Noida Authority, as work on the airport is picking up pace, investors from the within country and abroad are lining up to buy land to set up units in the city, which is spread over 38,000 hectares.

According to the authority, Jewar had received an investment of ₹225 crore in financial year 2017-18 with 13 industrial

In the 2018-19 fiscal, after the UP government got crucial approvals for the airport project, number of investors increased from 13 (in 2017-18) to 67. These 67 investors invested ₹7,378.22 crore in various industrial projects to be set up in the area.

In the current financial year (2019-2020), Greater Noida has received ₹11,325 crore in investments with 33 big firms investing in industrial units. It was in this year when the UP government acquired more than 80% of the land for the first phase of the airport's development.

"Greater Noida has world class infrastructure with Metro connectivity, eastern peripheral expressway, rail network. In addition to these, the Delhi-Mumbai industrial corridor and airport connectivity are on their way to become a reality in a few years in the region. Owing to these factors, big international investors are readily investing in this city and also in the Yamuna Expressway area. We visited China in September this year and invited businesspersons to invest in the region. In a follow up, a delegation from China visited Greater Noida on November 7 and gave a positive feedback on our industrial schemes," said Narendra Bhooshan, CEO of the Greater Noida authority.

This delegation came to Greater Noida after visiting Israel and Singapore. The delegation was accompanied by international fund managers and finan-

"These advisors give strateg[ic] financial assistance for big indu[s]trial development projects. T[he] biggest achievement for us is th[e] international advisors and fu[nd] managers are encouragi[ng] industrialists to invest in Great[er] Noida and Yamuna Expressw[ay] areas," said Bhooshan.

In view of the demands f[or] industrial land from investo[rs] the authority had decided to b[uy] 1,000 acres of agricultural la[nd] from farmers of 16 villages so th[at] it can provide industrial plots [to] investors and attract business [in] future. "Given the airport co[n]nectivity, the demand for indu[s]trial plots will increase, so w[e] need to provide them industri[al] plots. On this 1,000 acres of lan[d] the authority will develop indu[s]trial areas and allot plots throu[gh] schemes," said Bhooshan.

hindustantimes

NOIDA & GHAZIABAD

hindustantimes | noida

Airport lures investments worth ₹6,888 cr to area

JEWAR AIRPORT Investments will result in 50K jobs in Gautam Budh Nagar, officials say

Vinod Rajput

GREATER NOIDA: After the hurdles were removed for the Noida International Greenfield Airport at Jewar, the region along the 165km Yamuna Expressway has seen investments worth ₹6,888 crore by 180 companies so far.

The investments will result in 50,000 jobs in the Gautam Budh Nagar district, thereby boosting the local economy, the officials said.

"We have allotted 342 acres land for industrial purposes since the government started work on the airport project. Due to the project, corporate houses and entrepreneurs want to set up businesses along the Yamuna Expressway. These 180 investors will invest ₹6,888 crore in their units and create over 50,000 jobs," said Arun Vir Singh, chief executive officer of the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (Yeida) and Noida International Airport Limited (NIAL), which is developing the project.

The 180 investors include cellphone makers, food processing units, garment manufacturers and electronics manufacturers.

Yeida has the responsibility to acquire, develop and allot land for all kinds of purposes along the expressway, which connects Greater Noida with Agra.

The 180 investors include cellphone makers, food processing units, garment manufacturers and electronics manufacturers. VIRENDRA SINGH GOSAIN/HT PHOTO

The Yamuna authority, along with the district administration is acquiring land for the airport and handing it over to NIAL and the Uttar Pradesh's civil aviation department for development of the airport.

"We have so far acquired 1,005 hectares of agricultural land for the airport and distributed ₹2,490 crore among farmers. We need to acquire another 1,239 hectares for this project. The process to acquire the remaining land is on in full swing," said Abhay Singh, sub-divisional magistrate, who is in charge of the land acquisition project.

On December 5, 2018 the project monitoring and implementing committee (PMIC), which has expert members from the state and central governments also had given its green signal for the bid document and concessionaire agreement that has the terms and conditions under which the developer will function while developing the airport at the site.

In February 2019, the state government organised an investors' summit in Lucknow which was host to businesspersons who wanted to invest along the Expressway.

The estimated budget for Jewar airport is ₹15,000-₹20,000 crore, and the airport is expected to be operational by 2022-23.

On the whole, the Jewar airport requires 5,000 hectares of land.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बुधवार, 23 सितंबर 2020, नगर/नोएडा, पांच प्रदेश, 21 संस्करण www.livehindustan.com

फिल्म सिटी, एयरपोर्ट और तीन हाईवे बदल देंगे सूरत

ग्रेटर नोएडा | सुनील पाण्डेय

फिल्म सिटी, एयरपोर्ट और तीन विश्वस्तरीय हाइवे इस इलाके की सूरत बदल देंगे। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-21 में फिल्म सिटी के लिए बिजली, पानी, कनेक्टिविटी जैसी जरूरी सुविधाएं पहले से मौजूद हैं।

अपनी विरासत को समेटे मथुरा, आगरा, जयपुर जैसे शहर यहां से नजदीक हैं। ये शूटिंग के लिए बेहतर माने जाते हैं। औद्योगिक शहर होने के चलते यह इलाका आर्थिक गतिविधियों का भी केंद्र बन जाएगा। फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेस वे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे व नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे से करीब है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर यहां से मात्र छह किलोमीटर की दूरी पर है। इन परियोजनाओं से इलाके में विकास कार्य तेज होंगे। फिल्म सिटी बनने से इससे जुड़े उद्योग भी यहां आएंगे। इससे ना केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि निवेश भी अधिक आएगा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में देसी-विदेशी कंपनियां अपनी इकाइयां लगाने जा रही हैं। इंटरनेशनल एयरपोर्ट व मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी पर काम चल रहा है। यहां तक मेट्रो भी जाएगी। फिल्म सिटी बनने से यह इलाका पर्यटन क्षेत्र में भी बदलेगा। इस इलाके में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

जमीन की दरें ये होंगी

श्रेणी	दर प्रति वर्ग मीटर
4000 वर्ग मीटर तक	₹6670
4000 से 8000 वर्ग मीटर	₹5680
8000 से 20000 वर्ग मीटर	₹4810
20000 से 40000 वर्ग मीटर	₹4370
40000 से 80000 वर्ग मीटर	₹4210
80000 वर्ग मीटर से ज्यादा	₹4050

ऐसे पहुंचा जा सकेगा

सड़क मार्ग : यमुना एक्सप्रेसवे द्वारा (ग्रेटर नोएडा से आगरा, 165 किमी)। राष्ट्रीय राजमार्ग 93 (अलीगढ़ से आगरा)

रेल लाइन : दिल्ली-कोलकाता रेलवे लाइन, मथुरा-बरेली लाइन

वायु मार्ग : आईजीआई एयरपोर्ट दिल्ली, आगरा एयरपोर्ट, आगरा, जेवर एयरपोर्ट

यह क्षेत्र रेल और सड़क परिवहन से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। एशिया का सबसे बड़ा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट समीप ही है। यह भी शीघ्र तैयार हो जाएगा। इसे मेट्रो, रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम और हाई स्पीड ट्रेन से भी जोड़ने की योजना है। हम जो कुछ कर रहे हैं वर्ष 2060 की जरूरतों के मद्देनजर कर रहे हैं। -अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

छह जिलों को फायदा

यीडा क्षेत्र में गौतमबुद्धनगर के अलावा बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा और आगरा का भी हिस्सा आता है। फिल्म सिटी बनने से यहां भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

› विशेष कवरेज पेज 02

ये भी जान लें

06 किलोमीटर की दूरी होगी जेवर एयरपोर्ट से फिल्म सिटी की

12 किलोमीटर दूरी फिल्म सिटी की ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे से

आर्थिक केंद्र बनेगा

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बड़ी-बड़ी कंपनियां, एयरपोर्ट और अब फिल्म सिटी आने से इलाका आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बन जाएगा। यहां पर विश्वस्तरीय इलेक्ट्रॉनिक सिटी बनेगी। फिल्म सिटी में स्टूडियो, आउटडोर लोकेशन, विशेष स्टूडियो, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, फूड कोर्ट समेत तमाम सुविधाएं होंगी। यहां पर टेक्निकल और साउंड सर्विसेज को लेकर भी काम किया जाएगा।

ऐसी होगी अपनी फिल्म सिटी

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Thursday, October 22, 2020

Hindustan Times

FIRST VOICE. LAST WORD.

U.P. EYES THE STARS

UTTAR PRADESH SET TO GET THE BIGGEST FILM CITY

Narendra Modi
Prime Minister

LAND POOLING POLICY TO BOOST INDUSTRIAL GROWTH IN GAUTAM BUDDHA NAGAR

Rs 5000

FILM INDUSTRY WELCOMES THE PROJECT

FILM CITY PROJECT LIKELY TO BOOST REALTY SECTOR IN NOIDA REGION

HIGHLIGHTS

1,000 acres

12 km

06 km

SALIENT FEATURES

Yogi Adityanath
Chief Minister, Uttar Pradesh

U.P. GOVT. TO CONSIDER TWEAKING ITS FILM POLICY FOR FILM CITY PROJECT

U.P. TO GROW INTO A CINEMATIC HUB

SINGAPORE-BASED COMPANY OFFERS INVESTMENT

NOIDA'S FILM CITY TO BOOST BHOJPURI CINEMA

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

अमर उजाला

नई दिल्ली

मानसून सत्र | निलंबित आठ सांसदों का धरना खत्म, राज्यसभा का बहिष्कार शुरू | दिल्ली-एनसीआर

अमर उजाला my city नोएडा-ग्रेनो सिटी बुधवार • 23.09.2020

यीडा में फिल्म सिटी बनने से जनपद के युवा कलाकार दिखा सकेंगे प्रतिभा

लोगों को रोजगार भी मिलेगा, घर से दूर भी नहीं रहना पड़ेगा, अभी मुंबई में काम कर रहे जिले के कई युवा

मनोज कुमार

नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में फिल्म सिटी की घोषणा के बाद जिले सहित दिल्ली-एनसीआर के युवाओं की खुशी दोगुनी हो गई है। सैकड़ों युवा स्थानीय कलाकार मुंबई में कला का जौहर दिखा रहे हैं, लेकिन कई बार काम न मिलने से वे परेशान हो जाते हैं। घर आने-जाने में भी काफी पैसा खर्च हो जाता है। साथ ही, परिवार और समाज के लोगों से भी दूर रहना पड़ता है। अब जिले में फिल्म सिटी बनने पर युवाओं को यहीं प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

एनसीआर में तमाम स्थानीय कलाकार ऐसे हैं, जिन्हें मुंबई जाने का मौका नहीं मिल पा रहा। वे अपनी प्रतिभा को समेटकर बैठ जाते हैं या फिर छोटे-मोटे प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करते हैं। यूट्यूब, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया से प्रतिभा दिखाते रहते हैं। अब यहां फिल्म बनने से उनको भी मौका मिलेगा। वहीं, फिल्म सिटी बनने की सूचना मिलते ही जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। उनका कहना है कि रोजगार के साथ-साथ व्यापार के भी मौके भी बढ़ेंगे। लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आभार जताया है।

नाम कान्हा फिल्म सिटी रखने की मांग

नोएडा। आर्य समाज के जिला उपाध्यक्ष और समाजसेवी डॉक्टर आनंद आर्य ने मुख्यमंत्री को ट्वीट करके फिल्म सिटी बनाने पर आभार व्यक्त किया है। साथ ही, मांग की है कि यह क्षेत्र कृष्ण जन्मस्थली मथुरा से नजदीक है और कृष्ण ने बाल लीलाएं यहीं पर की है, इसलिए इस फिल्म सिटी का नाम कान्हा फिल्म सिटी रखा जाए। ब्यूरो

"अभी तक हम जैसे युवाओं को दिल्ली के थियेटर में काम करना होता है और फिर वहां से मुंबई के लिए जाते हैं। शुरुआत में आर्थिक स्थिति कमजोर होने से कई युवा अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पाते हैं और वह हताश होकर लौट आते थे। अब युवाओं को अपने जिले में ही अवसर मिलेंगे। - प्रदीप नागर, सादुल्लापुर।

"ऑडिशन के लिए मुंबई जाना पड़ता है और आने-जाने में काफी खर्च हो जाता है। नए कलाकार के लिए इतना सब सहना थोड़ा मुश्किल है। कई बार आर्थिक कारणों से युवा कलाकार पीछे हट जाते हैं, लेकिन जिले में फिल्म सिटी बनने से न सिर्फ युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि वह प्रतिभा को दिखा सकेंगे। - नागेंद्र गुर्जर, ह्दयपुर, शामली बुलंदशहर

"सेक्टर-21 में फिल्म सिटी की स्थापना से एनसीआर क्षेत्र के उन कलाकारों को कामयाबी का रास्ता मिलेगा, जो अवसर न मिलने से दबे रह जाते हैं। फिल्म सिटी की स्थापना से अप्रत्यक्ष व प्रत्यक्ष लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा। फिल्म सिटी के एलान के बाद मैंने मुख्यमंत्री से यीडा में फिल्म सिटी बनाने की अपील की थी। मुख्यमंत्री ने हमारी बात सुनी। उनका इस क्षेत्र के निवासियों की तरफ से आभार है। - धीरेंद्र सिंह, जेवर विधायक

"देश की सबसे बड़ी फिल्म इंडस्ट्री मुंबई में है। दक्षिण भारत की अपनी फिल्म इंडस्ट्री है। अब तक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल भी गोवा में होने लगा है, लेकिन उत्तर भारत में फिल्मों से जुड़ा कुछ भी नहीं है, जबकि फिल्मों व सीरियल में दिल्ली और उसके आसपास की बहुत सी कहानियां दिखाई जाती हैं। देहात पर फिल्म बनानी होती है तो दिल्ली, उत्तर प्रदेश को चुना जाता है। मैं उत्तर प्रदेश सरकार और यमुना प्राधिकरण के प्रति आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने यहां फिल्म सिटी बसाने का फैसला लिया है। - मेघना कोठारी, फिल्म कलाकार व फाउंडर कंट्रोल ऑल्ट

फिल्म सिटी का रास्ता साफ होने से खुशी

रबूपुरा (संवाद)। फिल्म सिटी का रास्ता साफ होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी है। यीडा का सेक्टर-21 रबूपुरा के पास है। लोगों का कहना है कि बृज भूमि के समीप यह फिल्म सिटी दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करेगी। लोगों ने फिल्म सिटी का रास्ता साफ होने पर खुशी मनाई है। कई जगह लोगों ने एक दूसरे को मिठाई वितरित की।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

अमर उजाला
अनोखा रिश्ता | भारत-भूटान में 600 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना पर दस्तखत...9 | उत्तर प्रदेश
अमर उजाला | राजधानी | amarujala.com | 4

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया यूपी में बनाएगी विश्वस्तरीय टेक्नोलॉजी हब

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया यूपी में विश्वस्तरीय टेक्नोलॉजी हब बनाएगी। कंपनी ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित उत्पाद बनाएगी। इसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा।

एमएसएमई, निवेश एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि सीएम योगी के दिशा-निर्देश पर यूपी में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए किए गए वर्चुअल रोड-शो को बड़ी सफलता मिली है। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रबंध निदेशक व कॉरपोरेट प्रेसिडेंट राजीव कुमार ने टेक्नोलॉजी हब बनाने के लिए सहमति दे दी है। सिद्धार्थनाथ सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजीव कुमार और उनकी टीम के साथ चर्चा कर रहे थे। औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन और अपर मुख्य सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत सहगल भी चर्चा में शामिल थे।

ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाएगी, बड़ी संख्या में लोगों को मिलेगा रोजगार

सिद्धार्थनाथ ने राजीव कुमार से कहा कि कैंपस के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, वे जब चाहें भूमि देख सकते हैं। प्रदेश सरकार ने राज्य में निवेशकर्ताओं को हरसंभव सहयोग और सुविधाएं मुहैया कराने की व्यवस्था की है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी को कैंपस की स्थापना के लिए राज्य सरकार रेड कारपेट की सुविधा देगी। इस कैंपस की स्थापना से भारत को इलेक्ट्रॉनिक हब बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा मददगार साबित होगा। यूपी तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ेगा। युवा तकनीक के क्षेत्र में दक्ष होकर प्रदेश का गौरव बढ़ायेंगे। राज्य सरकार जेवर एयरपोर्ट के पास इलेक्ट्रानिक सिटी बना रही है। वहां लगने वाली इकाइयों को आवश्यक सुविधाएं सुलभ कराने के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। टीसीएस, विप्रो और हायर जैसी कंपनियां नोएडा व ग्रेटर नोएडा में उद्यम लगा रही हैं। राजीव कुमार ने प्रदेश सरकार के इन कदमों की सराहना करते हुए कहा कि शीघ्र ही भूमि के लिए कंपनी की टीम भ्रमण करेगी। जल्द से जल्द कैंपस निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। हैदराबाद और बंगलूरु में माइक्रोसॉफ्ट के पास 5000 और 2000 की क्षमता का कैंपस है। कंपनी उत्तर भारत में टेक्नोलॉजी हब बनाना चाहती है। इसके लिए ग्रेटर नोएडा व नोएडा को चुना गया है।

NBT
नवभारत टाइम्स

यमुना सिटी में 4 इंडस्ट्रियल टाउनशिप का मास्टर प्लान पास

मथुरा में बनेगी हैरिटेज सिटी

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे ग्रेनो से आगरा तक 32 हजार हेक्टेयर जमीन पर चार इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाई जाएंगी। इनमें से तीन का मास्टर प्लान प्रदेश सरकार ने अप्रूव कर दिया है। इसमें अलीगढ़ जिले में टप्पल-बाजना अर्बन सेंटर बनेगा। मथुरा में राया अर्बन सेंटर होगा, जिसमें वृंदावन हैरिटेज सिटी बसाई जाएगी। यह जानकारी यमुना अथॉरिटी की ओर से औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना को दी गई है। महाना ने बुधवार को ग्रेनो में तीनों अथॉरिटी के साथ समीक्षा बैठक की थी।

- 32 हजार हेक्टेयर जमीन में चार इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाई जाएंगी
- पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए जेवर इलाके में जमीन का आवंटन शुरू कर दिया गया है

हाल ही में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाइवे और एक्सप्रेसवे के किनारे इंडस्ट्रियल एरिया विकसित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद यमुना अथॉरिटी इन टाउनशिप को लेकर हरकत में आई है। बुधवार को प्रेजेंटेशन के दौरान यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह की ओर से कहा गया कि वह इंडस्ट्री के लिए 40 प्रतिशत जगह रिजर्व कर रहे हैं। ये प्रावधान मास्टर 2041 में शामिल किया जा रहा है। इसी के तहत चार इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसेंगी। पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाने के लिए जेवर इलाके में जमीनों का आवंटन शुरू कर दिया गया है। यहां 1400 हेक्टेयर जमीन पर इलेक्ट्रॉनिक सिटी, लॉजिस्टिक हब और एविएशन से संबंधित उद्योगों के लिए रिजर्व की गई है। इस संबंध में यूपी सरकार से मास्टर प्लान पास हो गया है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड में भी इसका प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

दूसरी टाउनशिप यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 11 हजार 4 हेक्टेयर जमीन पर अलीगढ़ के पास बसेगी। इसे टप्पल-बाजना अर्बन सेंटर नाम दिया गया है। यूपी सरकार से इसका मास्टर प्लान भी पास हो गया है। यहां 16.2 प्रतिशत एरिया में इंडस्ट्री और 14.5 प्रतिशत जगह मिक्स लैंड यूज के लिए रिजर्व की गई है।

तीसरी टाउनशिप 9366 हेक्टेयर जमीन पर मथुरा जिले में बसेगी। यहां राया अर्बन सेंटर बसेगा। इसमें 20.1 प्रतिशत इंडस्ट्री होगी। 2.5 प्रतिशत में मिक्स लैंड यूज होगा। इसका मास्टर प्लान भी यूपी सरकार ने पास कर दिया है। यहां वृंदावन हैरिटेज सिटी भी बसाई जाएगी।

आगरा में चौथी टाउनशिप बसाई जानी है। यहां 12 हजार हेक्टेयर जमीन पर ये नई टाउनशिप होगी। इसका मास्टर प्लान तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। तैयार होने के बाद इसे यूपी सरकार से पास कराया जाएगा।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

नई दिल्ली, मंगलवार
30 जून, 2020
ग्रेटर नोएडा

दैनिक जागरण

www.jagran.com

सौ एकड़ में बसाई जाएगी टॉय सिटी प्राधिकरण जल्द लाएगा भूखंड योजना

सेक्टर-33 में भूखंड आवंटन पर बनी सहमति, उद्योग को विकसित होगा ब्लॉक

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : यमुना प्राधिकरण में टॉय सिटी 50 नहीं बल्कि 100 एकड़ में बसेगी। टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया को 50 एकड़ जमीन पर विकसित भूखंड आवंटित करने पर सहमति बन चुकी है। यमुना प्राधिकरण जल्द ही टॉय सिटी के लिए भूखंड योजना निकालकर आवंटन करेगा। एसोसिएशन के सदस्यों ने रविवार को सेक्टर-33 में प्रस्तावित टॉय सिटी की जमीन देखी।

चीन को टक्कर देने के लिए सितंबर से खिलौनों पर आयात शुल्क 60 फीसद होने जा रहा है। मौजूदा समय में यह 20 फीसद है। इस वजह से देशी खिलौना उद्योग की कमर टूटी हुई है। यमुना प्राधिकरण खिलौना उद्योग को गति देने के लिए टॉय सिटी विकसित करने जा रहा है। इसे लेकर प्राधिकरण और टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बीच सहमति बन चुकी है। प्राधिकरण सेक्टर-33 में टॉय सिटी के लिए 100 एकड़ का ब्लॉक विकसित करेगा। 50 एकड़ पर विकसित भूखंड एसोसिएशन के सदस्यों को आवंटित करेगा। यह भूखंड एक हजार से लेकर चार हजार वर्गमीटर तक के होंगे। एसोसिएशन के सदस्यों को लॉट्री से भूखंड संख्या आवंटित होगी। भूखंड आवंटन के लिए प्राधिकरण योजना निकालने जा रहा है।

शेष 50 एकड़ जमीन पर विकसित भूखंड ओपन होंगे। खिलौना उद्योग स्थापित करने के लिए एसोसिएशन से बाहर के कारोबारी भी भूखंड आवंटन के लिए आवेदन कर सकेंगे। रविवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय अग्रवाल समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों ने सेक्टर-33 का निरीक्षण किया और भूखंडों की लोकेशन को लेकर संतुष्टि जताई।

टॉय सिटी के लिए सेक्टर-33 में भूखंड आवंटन पर सहमति बन गई है। प्राधिकरण योजना निकालकर जल्द ही भूखंड आवंटन की कार्रवाई करेगा। टॉय एसोसिएशन के अलावा कारोबार से जुड़े अन्य उद्यमियों को भी भूखंड आवंटन का अवसर दिया जाएगा। **-डॉ. अरुणवीर सिंह**, सीईओ यमुना प्राधिकरण

टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया को 50 एकड़ की जमीन पर विकसित भूखंड आवंटित करने पर बन चुकी है सहमति

स्थानीय महिलाओं को मिलेगा रोजगार

खिलौना उद्योग से स्थानीय लोग खासकर महिलाओं को फायदा होगा। उद्योग में महिलाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। एसोसिएशन के सदस्यों ने ग्रामीणों से बातचीत में भरोसा दिया कि खिलौना उद्योग स्थापित होने से ग्रामीणों को आर्थिक फायदा होगा।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 30, 2020

FOLLOW US ON TWITTER & FACEBOOK. APP AVAILABLE ON APP STORE & PLAYSTORE WWW.FINANCIALEXPRESS.COM

FINANCIAL EXPRESS

READ TO LEAD

VOL. XLVI NO. 103, 26 PAGES, ₹6.00 (PATNA ₹6.00, RAIPUR ₹7.00) PUBLISHED FROM: AHMEDABAD, BENGALURU, CHANDIGARH, CHENNAI, HYDERABAD, KOCHI, KOLKATA, LUCKNOW, MUMBAI, NEW DELHI, PUNE

Microsoft to set up tech hub in Greater Noida

FE BUREAU
Lucknow, June 29

THE UTTAR PRADESH government's efforts to woo multinational companies taking flight from China through virtual roadshows have started showing results. Microsoft India's managing director and corporate president Rajiv Kumar has assured that the company will establish a worldclass technology hub in Greater Noida.

Informing about the company's decision, Uttar Pradesh's minister for investment, export promotion and MSMEs Siddharth Nath Singh, who had a virtual meeting with Kumar and his team, said that the company's new campus will have a strength of 4,000 people.

Talking to *FE*, Singh said that the state government will lay out a red carpet welcome to the Microsoft India team. "We have already identified land for them in Greater Noida and Yamuna Expressway and have asked them to take a site visit. Whichever site they wish to take, we will proceed with it," he said, adding that the company is looking at putting up a tech hub. "In their own words, it is going to be one of the best tech hubs globally," Singh said. In the next three-four years, campus strength would be around 4,000. At present, the company has a centre each in Hyderabad and Bengaluru. While the is campus strength in Hyderabad is 5,000, Bengaluru has a strength of 2,000.

"Already TCS is putting up a campus and Wipro already has an existing campus in the area. With Microsoft coming into the fold, Noida and Greater Noida will become a major destination for electronics and IT in the country," he said.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

दैनिक जागरण

www.jagran.com

फिर से बहुत खराब हो गई दिल्ली-एनसीआर की हवा 3

आखिरकार बाइडन को सत्ता सौंपने के लिए तैयार हुए ट्रंप 12

सूबे में नौ हजार करोड़ का निवेश करेंगी 28 विदेशी कंपनियां

37 हजार 144 करोड़ निवेश को 29 घरेलू कंपनियों ने किया करार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: कोरोना काल में जब वैश्विक स्तर पर मंदी के बादल घने होते जा रहे थे, उस दौर में भी उप्र बेहतर निवेश और कारोबार के केंद्र के रूप में उम्मीद की किरण बनकर उभरा। यह योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि है कि औद्योगिकीकरण की ओर कदम बढ़ाते हुए उप्र ने विदेशी कंपनियों को खास तौर पर आकर्षित किया है। सिर्फ कोरोना काल में ही 28 विदेशी कंपनियों ने लगभग नौ हजार करोड़ रुपये यहां निवेश करने के लिए करार किया है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक, कोरोना काल में देशी-विदेशी 57 कंपनियों ने 46 हजार 501 करोड़ रुपये के निवेश के लिए प्रदेश सरकार से करार किया है। इन कंपनियों में उत्पादन शुरू होने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। इनमें 28 विदेशी कंपनियों ने 9357 करोड़ रुपये के निवेश के लिए करार किया है। उल्लेखनीय है कि एक जूता बनाने वाली कंपनी ऐसी है, जो चीन से शिफ्ट होकर भारत आई है और तीन सौ करोड़ रुपये के निवेश से आगरा में उत्पादन शुरू किया है। इसके अलावा 37 हजार 144 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए घरेलू 29 कंपनियों ने करार किया है।

योगी ने दिए दो माह में जमीन पर कब्जा दिलाने के निर्देश: कोरोना काल में उद्यमियों को 850 प्लाट आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे सेक्टर 28 में 350 एकड़ में डेडिकेटेड मेडिकल डिवाइस पार्क प्रस्तावित है, जिसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए कलाम इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ टेक्नोलाजी के साथ एमओयू किया गया है। मुख्यमंत्री ने दो माह के अंदर सभी उद्यमियों को भौतिक रूप से कब्जा दिलाने के निर्देश दिए हैं, ताकि जल्द से जल्द प्रोजेक्ट धरातल पर उत्पादन शुरू कर सकें। इससे पहले श्रम कानून सहित निवेश आकर्षित करने को कई नीतियों में संशोधन भी किया है।

ये हैं निवेश करने वाली विदेशी कंपनियां

कनाडा की दो कंपनियां	1746 करोड़ रुपये
जर्मनी की चार कंपनियां	300 करोड़ रुपये
हांगकांग की एक कंपनी	1000 करोड़ रुपये
जापान की सात कंपनियां	2000 करोड़ रुपये
सिंगापुर की दो कंपनियां	1600 करोड़ रुपये
यूके की तीन कंपनियां	1375 करोड़ रुपये
यूएसए की पांच कंपनियां	309 करोड़ रुपये
कोरिया की चार कंपनियां	928 करोड़ रुपये

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

अमर उजाला
नई दिल्ली
amarujala.com

संयुक्त राष्ट्र — हैरिस ने कहा, लोकतंत्र को मजबूत बनाती हैं महिलाओं की भागीदारी...14 — दिल्ली-एनसीआर

जेवर में बनेगा देश का सबसे बड़ा हवाई जहाज रिपेयरिंग केंद्र

एयरपोर्ट के तीसरे रनवे और एमआरओ सेंटर के लिए जमीन खरीदने को मिली मंजूरी

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के पास देश के सबसे बड़े मेंटेनेंस, रिपेयर व ओवरहालिंग (एमआरओ) सेंटर व तीसरे रनवे के लिए जमीन का इंतजाम जल्द हो सकेगा। यूपी कैबिनेट ने एयरपोर्ट के दूसरे चरण की जमीन अधिगृहीत करने की मंजूरी दे दी है। एमआरओ बनने से हवाई जहाज रिपेयर करने के लिए विदेश नहीं जाना पड़ेगा। दूसरे चरण में 7 गांवों की 1365 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत होनी है। इस पर करीब 2890 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार नोएडा एयरपोर्ट के पांच रनवे बनाने को मंजूरी दे चुकी है। पहले चरण में दो रनवे बनाने का जिम्मा ज्यूरिख कंपनी को दिया जा चुका है। दूसरे चरण में तीसरा रनवे और एमआरओ सेंटर बनना है। इसके लिए 1365 हेक्टेयर जमीन की दरकार है। जमीन जेवर के सात गांवों करौली बांगर, कुरैब, बीरमपुर, दयानतपुर, रन्हेरा, नंगला शाहपुर और मुंढेरा में ली जानी है। जमीन को अधिगृहीत करने का प्रस्ताव जिला प्रशासन ने शासन को भेजा था, जिस पर कैबिनेट ने मंगलवार को मुहर लगा दी। अब जल्द ही इन सात गांवों की जमीन अधिगृहीत करने के लिए अधिसूचना जारी हो जाएगी।

दरअसल, देश का एकमात्र एमआरओ सेंटर नागपुर में बना हुआ है। मुंबई एयरपोर्ट तक आने वाले विमान की रिपेयरिंग वहां होती है लेकिन दिल्ली एयरपोर्ट आने वाले विमान को नागपुर सेंटर ले जाना मुश्किल होता है। इसलिए हवाई जहाज जिस देश की उड़ान भरते हैं, वहीं मेंटेनेंस करा लेते हैं। इससे आमदनी का बड़ा जरिया विदेश चला जाता है। इसे देखते हुए नोएडा एयरपोर्ट पर एमआरओ सेंटर भी बनाने का निर्णय हुआ है। इससे समय व ईंधन की बचत के साथ ही देश भर में विमानों के मेंटनेंस, रिपेयर एंड ओवरहालिंग से जुड़ी इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और करोड़ों का निवेश भी होगा। इस सेंटर को नागपुर से भी बड़ा बनाने का प्लान है। वहीं, तीसरा रनवे बनने से इस एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों की वर्ष 2050 तक की जरूरत पूरी हो सकेगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि दूसरे चरण की जमीन के लिए पैसों का इंतजाम हो चुका है। जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी करने पर शासन जल्द निर्णय ले सकता है।

1365 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण पर कैबिनेट ने लगाई मुहर

एक नजर दूसरे चरण के गांवों की जमीन पर

करौली बांगर	183 हेक्टेयर
कुरैब	345 हेक्टेयर
बीरमपुर	96 हेक्टेयर
दयानतपुर	165 हेक्टेयर
रन्हेरा	519 हेक्टेयर
नंगला शाहपुर	15 हेक्टेयर
मुंढेरा	43 हेक्टेयर

- सात गांवों की जमीन अधिगृहीत करने के लिए जल्द जारी होगी अधिसूचना
- एमआरओ बनने से एयरक्राफ्ट की रिपेयरिंग के लिए नहीं जाना पड़ेगा विदेश

"नोएडा एयरपोर्ट के दूसरे चरण की जमीन अधिग्रहण के लिए सोशल इंपैक्ट असेस्मेंट (एसआईए) और किसानों की सहमति लेने के लिए शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है। प्रस्ताव पास होने के बाद एसआईए कराया जाएगा। जीबीयू ने पहले चरण का एसआईए किया था। इसे पूरा करने में दो महीने का समय लगेगा। इसके बाद अधिसूचना (धारा-11) की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। - बलराम सिंह, एडीएम भूमि अध्याप्ति।

ग्रेनो से पैसा मिलना बाकी फिर भी पूरा इंतजाम

दूसरे चरण की जमीन अधिगृहीत करने के लिए 2000 करोड़ रुपये का इंतजाम पहले ही हो चुका है। प्रदेश सरकार यह रकम दे चुकी है। नोएडा और यमुना प्राधिकरण भी अपना हिस्सा दे चुके हैं जबकि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से पैसा मिलना बाकी है। दूसरे चरण में 2890 करोड़ रुपये मुआवजा बांटा जाएगा। बता दें कि नोएडा एयरपोर्ट के लिए बनाई गई कंपनी नियाल में प्रदेश सरकार और नोएडा प्राधिकरण की हिस्सेदारी 37.5-37.5 फीसदी है। जबकि ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण की हिस्सेदारी 12.5-12.5 फीसदी है। उसी अनुपात में जमीन के लिए पैसा भी दिया जाना है।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

THE ECONOMIC TIMES | Industry
English Edition | E-Paper

Subscribe Sign In
Save 20% on ET Prime

ETPrime

Yamuna authority approves 100-acre land for data centre park near upcoming airport

By Faizan Haidar, ET Bureau • Last Updated: Sep 15, 2021, 08:14 PM IST

SHARE FONT SIZE SAVE

Synopsis
The state government aims to attract investment to the tune of Rs 20,000 crore and establish three data centre parks, first of which has already been approved by Yeida.

The Yamuna Expressway Industrial Development Authority (Yeida) has approved a data centre park across a 100-acre land parcel near the

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

THE TIMES OF INDIA

UP plans Electronics City on 700 acres near Jewar airport

Focus On Attracting Hardware Manufacturers With Incentives

Shalabh@timesgroup.com

Greater Noida: The Uttar Pradesh government on Monday announced an Electronics City on a 700-acre land parcel adjacent to the site of the Noida International Airport in Jewar. While presenting the budget on Monday, the government said the project, which will encourage industries manufacturing electronic components, will be one of its kind in the National Capital Region.

The Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) will not only allocate the land for the project but also develop the city. Arun Vir Singh, the chief executive officer of YEIDA, said the township would be planned in Sector 7, the block that is adjacent to the airport site. "Other modalities will be worked out soon. We have to prepare a detailed project report and finalise the floor area ratio that can be allowed within the sector," he added.

The UP government has already framed policies pertaining to electronics manufacturing, information technology and start-ups. Sources said the new city project was aimed at boosting the electronics manufacturing sectoring by offering a slew of incentives.

DPR TO BE READY SOON

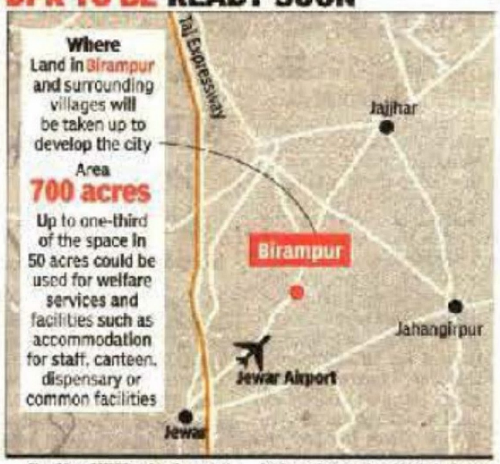

Earlier, YEIDA had set aside 103 acres in Sector 33 for setting up Electronics City. However, the sector was then earmarked for developing Toy Park.

Apart from IT services, outsourcing and research and development, officials said the focus would be on attracting small, medium and big hardware manufacturers to the site because of its proximity to Dadri. With multiple freight corridors and a logistics hub being planned in Dadri, the region is likely to shape up as a prime export and import centre and help manufacturers operate from there.

According to officials, those interested in setting up industry in the city would be offered several incentives, such as subsidy on interest and capital payment, common infrastructure development, tax reimbursement and up to 100% exemption on stamp duty.

The manufacturers would also be offered a 25% rebate on the prevailing sector rate. While initially the plan was to offer a maximum FAR of 3 in Sector 33, including the purchasable component of such units, YEIDA will now have to reconsider the maximum limit and bring down the permissible FAR because of the proximity of Sector 7 to the airport boundary.

The development of the international airport in Jewar has led the government to plan multiple key infrastructure projects off the Yamuna Expressway. Apart from the Electronics City, the UP government has also announced a Film City and a Raya Heritage City in the area to not only attract investments, but also boost tourism.

Among other projects in NCR that got a big boost in the state budget on Monday was the Noida International Airport, for which Rs 2,000 crore was announced. This apart, the region's connectivity also got a major push, with Rs 1,326 crore allocated for the Delhi-Ghaziabad-Meerut Regional Rapid Transit System (RRTS) project.

For the Film City project, the UP government announced Rs 10,500 crore.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | VOL. 71 NO. 313 | NEW DELHI | THURSDAY, DECEMBER 31, 2020 | PAGES 26 | CAPITAL | INVITATION PRICE ₹4.50; *₹7.00 WITH ET OR ₹8.50 (₹7.00 IN FARIDABAD EDITION) WITH NAVBHARAT TIMES

THE TIMES OF INDIA

CELEBRATING NEW YEAR'S EVE

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

Cabinet nod for logistics hub in Gr Noida

To Come Up Near Boraki Rly Station, Will Have Space For Bus Terminals & Metro Lines

Shalabh@timesgroup.com

New Delhi: The Union Cabinet on Wednesday approved the construction of a multi-modal logistics and transport hub at Greater Noida with an estimated cost of about Rs 3,884 crore. The project will be developed as a world-class facility that will provide efficient storage and transitioning of goods to and from the dedicated freight corridors (DFC) and offer a one-stop destination to freight companies and customers, a statement said.

The decision was taken during a meeting of the Cabinet Committee on Economic Affairs, chaired by Prime Minister Narendra Modi.

The hub will not only provide standard container handling activities, but also have value-added services to reduce logistics cost, along with improved efficiency of operations, the statement added. The area near Boraki railway station will act as a transport hub with provision for rail, road and MRTS accessibility. It will also have space for inter-state and local bus terminals and metro lines.

"The project will provide world-class passenger movement facilities for the growing population of the catchment zone catering to upcoming developments in Uttar Pradesh, sub-region of the NCR and thus decongest Delhi," the statement said.

On Tuesday, the Noida administration notified Section 11 of the Land Acquisition Act in an attempt to hand over the remaining land needed for the National Industrial Corridor Development Corporation. Under the Dadri-Noida-Ghaziabad Investment Region, the corporation will develop three projects for which it needs more than 600 hectares.

Apart from Boraki, it will develop an integrated industrial township and a multi-modal logistics hub (freight village) in Dadri. The corporation had demanded 303 hectares for the township. It has asked for 294 hectares for the freight village and 167 hectares for the Boraki transport hub.

The freight village will be used for storing, aggregating and transporting industrial freight. As the junction of eastern and western freight corridors, Dadri will become the import and export centre in NCR. Tools, machinery and vehicles required for handling containers, trucks and lorries will be provided in the area. A railway flyover between Dadri station and the freight village will also be constructed. A techno-feasibility report has been finalised for the project.

The integrated township will be 11km away from Pari Chowk and GNIDA has handed over 303 hectares to the corporation. GNIDA also has 50% stake in the project and is helping the corporation with the space. The area is being developed to attract a skilled workforce that will shift in the Dadri-Boraki region. It will also act as the passenger and logistics gateway for people visiting the freight village or transport hub. Construction company Shapoorji Pallonji has been given the task for developing the township.

While most of the land needed is under GNIDA, some of it is under the UP State Industrial Authority, railways and panchayats. Some private properties are also in the impact area.

(With PTI inputs)

MORE THAN 600 HECTARES NEEDED FOR PROJECTS

Multi-modal logistics hub (freight village) in Dadri

- Will be used for storing, aggregating and transporting industrial freight
- Railway flyover to be built between Dadri station and freight village

Multi-modal transport hub at Boraki

- Multiple transport nodes to congregate
- Business centre, hotels, commercial, retail and office spaces to be developed

Integrated industrial township in Greater Noida

- City being developed to attract skilled workforce
- Shapoorji Pallonji has been given the task for developing project on 303 hectares

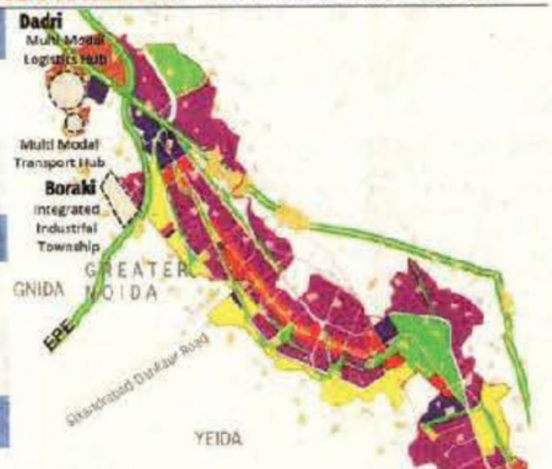

LAND NEEDED

303 hectares in Gr Noida

294 hectares in Dadri

167 hectares in Boraki

Corporation has asked the administration to acquire 87.8 hectares in Boraki, Kathera, Chithera and Palla villages

Gautam Buddha Nagar University carried out social impact assessment in May 2020

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

अमर उजाला

नई दिल्ली

शाह बोले — जम्मू-कश्मीर को आतंक व उत्पात के युग में वापस ले जाना चाहता है गुपकार गैंग...9

दिल्ली-एनसीआर

यीडा में बनेगा फर्नीचर पार्क हजारों को मिलेगा रोजगार

सेक्टर 28-29 में नए साल में योजना लाने की प्राधिकरण ने की घोषणा

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। हैंडीक्राफ्ट, अपैरल व एमएसएमई पार्क के सफल होने के बाद अब यीडा ने नोएडा एयरपोर्ट के पास सेक्टर 28-29 में फर्नीचर पार्क बनाने की घोषणा की है। 300 एकड़ एरिया में प्रस्तावित इस पार्क को देशभर के फर्नीचर उत्पाद से जुड़ी कंपनियों व कारीगरों को जोड़ने की तैयारी है। इसमें 1700 करोड़ रुपये के निवेश और हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

दरअसल, नोएडा एयरपोर्ट के कारण यमुना प्राधिकरण एरिया में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ा है। प्राधिकरण की तरफ से जो भी योजनाएं लांच की गईं, वे सफल हुई हैं। इन योजनाओं के अधिकतर प्लॉट बिक गए हैं। प्राधिकरण का मानना है कि अपैरल व हैंडीक्राफ्ट के उत्पाद वुडन और फर्नीचर से जुड़े हुए हैं। फर्नीचर पार्क बनाने से अपैरल व हैंडीक्राफ्ट कंपनियों को भी फायदा मिलेगा। यहां के लोगों को सस्ते और बेहतरीन फर्नीचर उत्पाद मिल सकेंगे। प्राधिकरण की योजना है कि फर्नीचर पार्क से देश के प्रसिद्ध कारीगर भी जुड़ें, इसके लिए उन समूहों के संगठनों से संपर्क साधा जाएगा। खासतौर पर सहारनपुर व बरेली के वुडन कारीगरों को इससे जोड़ने की कोशिश रहेगी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि फर्नीचर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्यिक मंत्रालय भी अपनी शर्तों में ढील देने जा रहा है। इसका फायदा फर्नीचर पार्क में आने वाली कंपनियों को भी मिलेगा।

1700 करोड़ के निवेश का आकलन

300 एकड़ में बनाया जाएगा पार्क

- देशभर की फर्नीचर उत्पाद से जुड़ी कंपनियों व कारीगरों को जोड़ने की तैयारी
- खासतौर पर सहारनपुर व बरेली के वुडन कारीगरों को साथ लाने की कोशिश

फर्नीचर के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

अपने देश से अमेरिका व फ्रांस को सबसे ज्यादा फर्नीचर निर्यात किया जाता है। जेवर में नोएडा एयरपोर्ट बनने जा रहा है। उसमें कार्गो की भी सुविधा होगी। सेक्टर 28 व 29 नोएडा एयरपोर्ट के पास ही है। इस वजह से विदेशों को फर्नीचर के निर्यात में भी सहूलियत मिलेगी। निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यीडा सिटी एरिया में फिल्म सिटी भी बनने जा रही है। फर्नीचर की खपत उससे भी बढ़ेगी।

कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी बनेगा

फर्नीचर पार्क के साथ ही कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी बनेगा, जिसमें कांफ्रेंस भी हो सके और वुडन कारोबार से जुड़े उत्पाद भी प्रदर्शित कर सकें। पार्क में स्टील फ्रेम वर्क से जुड़ी कंपनियां भी लगेंगी, ताकि लोगों को विभिन्न एरिया से जुड़े फर्नीचर उत्पाद आसानी से मिल सकें।

“फर्नीचर पार्क को नए साल में लांच करने की तैयारी है। इसके लिए प्लॉट नियोजित किए जा रहे हैं। कागजी प्रक्रिया इस साल के अंत तक पूरी कर ली जाएगी। उम्मीद है कि हैंडीक्राफ्ट, अपैरल व एमएसएमई की तरह यह योजना भी सफल रहेगी। ये सभी एक दूसरे के लिए पूरक उद्योग के रूप में विकसित होंगे।
- डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यीडा

फिल्म सिटी की डीपीआर बनाने को नौ कंपनियां आगे आईं

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-21 में प्रस्तावित फिल्म सिटी की डीपीआर बनाने के लिए कंपनी का चयन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। डीपीआर बनाने के लिए देशी विदेशी नौ कंपनियों ने रुचि दिखाई है। यीडा सिटी में 1000 एकड़ में विकसित होने वाली फिल्म सिटी की फिजिबिलिटी रिपोर्ट व डीपीआर बनवाने के लिए 29 अक्टूबर को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) निकाला गया था। जिन कंपनियों ने डीपीआर बनाने में रुचि दिखाई है, इसमें एनिम, सोपी कुकरेजा, गोडब्ल्यूसी, केपीएमजी, ग्रांट थॉर्नटन इंडिया इन, सीबीआरई, बोयांट्स सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, निर्माण व नार्थ प्लेनेस कैपिटल पार्टनर्स एलएलपी शामिल हैं। सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि कंपनियों के सवालों का जवाब देने के लिए बुधवार को ऑनलाइन प्री बिड बैठक होगी। डीपीआर बनाने के लिए फाइनल बिड 25 नवंबर को खोली जाएगी। ब्यूरो

आज होगी प्री बिड बैठक
सेक्टर-21 में बननी है फिल्म सिटी

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Leather manufacturing park to come up near Noida airport

Meenakshi Sinha / TNN / Aug 28, 2021, 07:28 IST

FACEBOOK TWITTER LINKEDIN EMAIL

ARTICLES

- Leather manufacturing park to come up near Noida airport
- Noida: Baby, aunt stuck in lift; family claims assault by society staff
- Move over EQ & IQ: Take this DQ test today to know more about your...
- Covt centres test paediatric care with Covid drill

TOI

Greater Noida: The Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) has agreed to give 100 acres of land in Sector 28 for setting up a leather

SPOTLIGHT

1. Paying rent with credit card can rewarding
2. How do coconut-based oils strengthen your hair?

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

The Economic Times | News
English Edition | E-Paper

Subscribe Sign In
Subscribe & Save

ETPrime

UP government's first handicrafts park near Jewar airport attracts investment of Rs 403 crore

By Faizan Haidar, ET Bureau • Last Updated: Aug 26, 2021, 07:32 PM IST

SHARE FONT SIZE SAVE

Synopsis
The park spread over an area of 50 acres will have factories by these companies at the investment of Rs 403 crore. The factories being set up at the park will provide permanent employment to 22,144 people.

The **Yamuna Expressway** Industrial Development Authority (**YEIDA**) has allotted land to 76 industrialists at the

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

76 firms get land at UP's first handicrafts park near Noida airport

PTI • Last Updated: Aug 27, 2021, 07:18 PM IST

SHARE FONT SIZE SAVE PRINT COMMENT

Synopsis
Fifty acres of land under the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) area in Sector 29 has been allotted against an investment of Rs 403 crore, the officials said.

Agencies

In line with the Uttar Pradesh government's 'One District One

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

राजधानी •
वर्ष 18 । अंक 346 । पृष्ठ : 16-4
मूल्य : तीन रुपये
4 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
बृहस्पतिवार, 25 मार्च 2021

उपलब्धि सीनेट से मंजूरी, अमेरिकी सर्जन जनरल बने भारतवंशी डॉ. विवेक मूर्ति...13

नोएडा एयरपोर्ट के पास बसेगा नया शहर

1500 हेक्टेयर में बनेगा; दो माह में आएगी रिपोर्ट, शहर के 50 फीसदी हिस्से में होगी हरियाली

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण (यीडा) सिटी एरिया में नोएडा एयरपोर्ट के आने का असर अभी से दिखने लगा है। रिहायश हो या उद्योग, हर तरह का निवेश तेजी से बढ़ गया है। इसे भुनाने के लिए यीडा ने एक और नया शहर बसाने का निर्णय लिया है। नया शहर 1500 हेक्टेयर में बनेगा। इसकी रिपोर्ट बनाने के लिए कंपनी का चयन हो गया है। शहर के 50 फीसदी क्षेत्र में हरियाली होगी।

नोएडा एयरपोर्ट का निर्माण जल्द शुरू कराने की कागजी प्रक्रिया चल रही है। अप्रैल-मई में इसकी नींव रखी जा सकती है। एयरपोर्ट की वजह से निवेशकों का भरोसा तेजी से बढ़ा है। इसे देखते हुए यीडा ने एयरपोर्ट की परिधि के बाहर और 10 किमी के दायरे में ग्रीन सिटी बसाने का प्लान बनाया है। इसके लिए एजेंसी अर्नेस्ट एंड यंग को चुना गया है। यह एजेंसी दो माह में रिपोर्ट तैयार कर देगी। उसके आधार पर ग्रीन सिटी (सिटी साइट) विकसित की जाएगी। इस ग्रीन सिटी की सबसे खास बात यह है कि इसमें हरियाली राष्ट्रीय मानक (33 फीसदी) से अधिक 50 फीसदी रहेगी। यानी सिर्फ 50 फीसदी एरिया पर यह शहर बसेगा। इस सिटी में कंपनी या फैक्ट्री नहीं लगेगी। इससे प्रदूषण भी कम होगा।

यहां रिहायश के अलावा मॉल, शोरूम, होटल, रेस्टोरेंट, शिक्षण संस्थान, अस्पताल जैसी सारी सुविधाएं होंगी, सिर्फ रोजगार के लिए ही इस सिटी की सीमा से बाहर निकलना पड़ेगा। यमुना प्राधिकरण ने अर्नेस्ट एंड यंग से यह भी कहा है कि इस सिटी का प्लान इस तरह से बनाएं कि ज्यादा ट्रांसपोर्ट की जरूरत ही न पड़े, बल्कि लोग पैदल चलने को प्रोत्साहित हों। इसके कुछ हिस्से में इलेक्ट्रिक वाहनों को ही चलाने की अनुमति होगी।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि ग्रीन सिटी का परियोजना रिपोर्ट बनाने का जिम्मा अर्नेस्ट एंड यंग को दिया जाएगा। दो माह में इसकी रिपोर्ट आ जाएगी।

डलास के फोरवर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बसा शहर।

इन शहरों की तर्ज पर बसेगा

ग्रीन सिटी का खाका तैयार कर रही एजेंसी अमेरिका के डलास स्थित फोरवर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट, हांगकांग एयरपोर्ट, इस्तांबुल एयरपोर्ट के आसपास विकसित सिटी का अध्ययन करेगी। इन एयरपोर्ट के आसपास बसे शहरों की तरह ही इसे भी विकसित करने का प्लान है।

गोल्फ कोर्स, स्टेडियम व मंडी बनेगी पहचान

ग्रीन सिटी में रिहायश, मॉल, शोरूम, होटल रेस्टोरेंट के अलावा कई बड़ी परियोजनाएं भी विकसित करने का प्लान है। यहां गोल्फ कोर्स और खेल स्टेडियम भी बनाया जाएगा। फल, फूल, दुग्ध उत्पाद आदि की आधुनिक मंडी भी बनाने का प्लान है। यहां पर नेचुरोपैथी सेंटर व योग केंद्र का भी प्रस्ताव है।

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

After toy park, Film City, electric vehicle hub to come up near Noida International Airport

TNN / Updated: Aug 29, 2021, 13:53 IST

65 PTS | FACEBOOK | TWITTER | LINKEDIN | EMAIL | AA

ARTICLES

- After toy park, Film City, electric vehicle hub to come up near...
- Runway markers, boundaries, an office: Airport mode on in Jewar
- The air you're breathing indoors is dirtier than you think
- Greater Noida: Fire breaks out at paper mill in Khasna, no...

SPOTLIGHT

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

DENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | VOL. 72 NO. 49 | NEW DELHI | FRIDAY, FEBRUARY 26, 2021 | PAGES 40 | CAPITAL | INVITATION PRICE ₹4.50; *₹7.00 WITH ET OR ₹8.50 (₹7.00 IN FARIDABAD EDITION) WITH NAVBHARAT TIMES

THE TIMES OF INDIA

#AShotOfHope

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

In Puducherry, Modi attacks just-dissolved Cong govt, stating that its priorities were misplaced as it was busy serving the party brass, not people, P16

Electronics City off e-way to attract ₹40k cr investment

Neha.Lalchandani
@timesgroup.com

Lucknow: The upcoming Electronics City in Yamuna Expressway Authority's sector 7 will have clusters from Taiwan, Japan and Korea. A team from the authority will travel to these countries at a later date and interact with potential investors to invite them to UP.

A government spokesperson said that the three countries have a strong base in electronics and several companies based out of these countries are manufacturing electronics. An investment by these countries will give a major boost to electronic manufacturing in UP, he said.

"The government is looking at a possible investment of Rs 40,000 crore in the Electronics City. Each proposed cluster here would be set up in an area of 200 acres and out of this, 150 acres would be allotted to electronics companies. Subsidies and other benefits would be offered to companies interested in setting up their units in these clusters," he said. Under the electronics policy, the authority will be offering land subsidy, rebate in power tariff, stamp duty and SGST. Along with Electronics City, the Yamuna Authority is also going to offer land to electronics companies in sector 24 and sector 24A. The authority is expected to announce a scheme for this. "It is expected that foreign companies could be investing several crores under the new policy and scheme and this would result in job creation for lakhs.

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

नई दिल्ली, गुरुवार
8 अक्टूबर, 2020
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

ई-नीलामी से तय होगी गैस की कीमत 8
कोरोना की रोकथाम के लिए चलेगा जागरूकता अभियान: जावडेकर 11

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से योगी के सपने भरेंगे उड़ान

उप्र ही नहीं उत्तराखंड, दिल्ली व हरियाणा को भी मिलेगा एयरपोर्ट का लाभ

जमीन की कीमत बढ़ेगी

बढ़ेगा औद्योगिक विकास

होटल व रेस्टोरेंट

2004

2012

29 नवंबर, 2019:

30 मई, 2019:

नौ मार्च, 2020:

11 जनवरी, 2018:

नौ मई, 2018:

18 मई, 2020:

चार चरण में होगा निर्माण

1334

एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष मिलेगा रोजगार

Infrastructure

अमर उजाला

नई दिल्ली
बुधवार, 21 अक्तूबर

आत्मनिर्भर भारत | घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नई खरीद नीति को मंजूरी ...12

दिल्ली-एनसीआर

नोएडा एयरपोर्ट : दूसरे चरण के लिए जमीन खरीदने की तैयारी

मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहालिंग सेंटर और तीसरा रनवे बनाने की योजना

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के पहले चरण के करार के साथ ही अब दूसरे चरण की जमीन अधिगृहीत करने की तैयारी भी शुरू हो गई है। दूसरे चरण में 1800 हेक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी। इस पर करीब 4500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस जमीन पर मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहालिंग (एमआरओ) सेंटर और तीसरा रनवे बनेगा।

एयरपोर्ट जेवर के आसपास के 19 गांवों की 5000 हेक्टेयर जमीन पर प्रस्तावित है। इसका पहला चरण 1339 हेक्टेयर में बनने जा रहा है। इसमें दो रनवे बनेंगे। इसके लिए 7 अक्तूबर को ज्यूरिख कंपनी के साथ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) का करार भी हो चुका है। ज्यूरिख कंपनी अब एयरपोर्ट का नक्शा तैयार कर रही है। कंपनी उसे दो माह में जमा करेगी। इस पर मुहर लगने के बाद नींव रखी जाएगी। इस बीच प्रदेश सरकार के निर्देश पर नियाल ने एयरपोर्ट के दूसरे चरण के लिए जमीन अधिगृहीत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नियाल प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इसे शीघ्र ही जिला प्रशासन को भेजा जाएगा। जिला प्रशासन इसे अधिगृहीत करेगा।

दूसरे चरण की जमीन भी अधिग्रहण के जरिये ही किसानों से ली जाएगी। 1800 हेक्टेयर जमीन के लिए करीब 4500 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसमें से प्रदेश सरकार 2000 करोड़ रुपये दे चुकी है। बाकी रकम नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण वहन करेंगे। जमीन लेते ही चार दीवारी भी की जाएगी। इसके बाद तीसरे चरण की जमीन खरीदी जाएगी। तीसरे चरण में भी 1800 हेक्टेयर जमीन ली जानी है।

देश का सबसे बड़ा एमआरओ सेंटर बनेगा

एयरपोर्ट के दूसरे चरण की जमीन के बड़े हिस्से पर एमआरओ सेंटर बनेगा। यहां विमान रिपेयर हो सकेंगे। इस सेंटर से हजारों युवाओं को रोजगार व भारी निवेश की उम्मीद है। इसके बनने से विमानों को रिपेयर कराने के लिए विदेश नहीं जाना पड़ेगा। देश में एकमात्र एमआरओ सेंटर नागपुर में है, लेकिन वह छोटा है। मुंबई एयरपोर्ट तक आने वाले विमान तो वहां जाकर दुरुस्त हो जाते हैं, लेकिन दिल्ली एयरपोर्ट आने वाले विमान को नागपुर सेंटर ले जाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में विमान जिस देश की उड़ान भर रहे होते हैं वहीं एमआरओ करा लेते हैं। इससे देश की आमदनी का बड़ा जरिया विदेश चला जाता है। दुनिया भर में एमआरओ इंडस्ट्री का कारोबार करीब 48 हजार करोड़ रुपये का है, जिसमें भारत का योगदान सिर्फ एक प्रतिशत है।

1800 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण के लिए 4500 करोड़ रुपये होंगे खर्च

19 गांवों की 5000 हेक्टेयर जमीन पर प्रस्तावित है एयरपोर्ट

जेवर बांगर में ही बसेंगे सभी किसान

ग्रेटर नोएडा। जमीन देने वाले सभी किसान परिवारों को जेवर बांगर में ही बसाया जाएगा। पहले चरण में नोएडा एयरपोर्ट के दायरे में करीब 2000 परिवार आ रहे हैं, जिन्हें जेवर बांगर में बसाने के लिए करीब 50 हेक्टेयर जमीन ली गई है। किसानों की कुल आबादी की 50 फीसदी जमीन उनको घर बनाने के लिए दी जाएगी। अब दूसरे चरण की जमीन के लिए अधिग्रहण शुरू होगा। इसमें भी जिन किसानों को शिफ्ट किया जाएगा, उन्हें जेवर बांगर में ही जमीन दी जाएगी। ब्यूरो

"एयरपोर्ट के दूसरे चरण की जमीन का अधिग्रहण शीघ्र शुरू होगा। इसका प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। जिला प्रशासन को सौंप दिया जाएगा। इस बार भी अधिग्रहण के जरिए ही किसानों से जमीन ली जाएगी।

– डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, नियाल

डेडीकेटेड कॉरिडोर के लिए खाली कराई जमीन

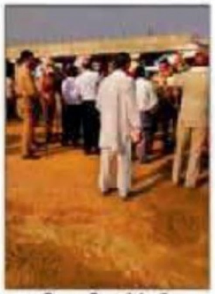

जमीन खाली कराने के दौरान विरोध करते ग्रामीण।

ग्रेटर नोएडा। डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के लिए मंगलवार को बोड़ाकी में जमीन खाली कराई गई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण व जिला प्रशासन की टीम ने यह कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। किसान अधिकारी-युवा आंदोलन संगठन ने कार्रवाई के विरोध में आंदोलन करने की चेतावनी दी। किसानों का कहना है कि आबादी की जमीन का नए अधिग्रहण कानून से मुआवजा दिए बिना यह कार्रवाई की गई है। आबादी की जमीन खाली कराने से पहले नोटिस भी नहीं दिया गया, जबकि गांव के बाहर से कॉरिडोर के लिए जमीन उपलब्ध थी। इसके बावजूद पुश्तैनी आबादी को जबरन तोड़ दिया गया। नए अधिग्रहण कानून के तहत मुआवजा, रोजगार व घर बनाने के लिए प्लॉट न दिए गए तो कार्रवाई करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट भी जा सकते हैं। ब्यूरो

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

hindustantimes.com

NEW DELHI/METRO/NOIDA/GHAZIABAD
Thursday, October 08, 2020

Hindustan Times

FIRST VOICE. LAST WORD.

Zurich signs key pact for Jewar airport

The agreement has paved the way for the work to start at the site of ₹30,000-crore project; construction will begin by middle of next year, officials said Wednesday

Vinod Rajput

NCR's second airport project on fast track

Once completed, the international airport at Jewar is expected to take the load off Delhi's IGI Airport

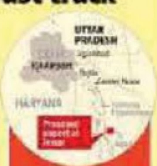

The agreement was signed between Christoph Schnellmann (centre), CEO of YIAPL and NIAL chief executive Arun Vir Singh (right), in Greater Noida on Wednesday.

SOME CRUCIAL FACTS

₹25,000-₹30,000 cr
estimated budget for the Jewar airport project

PROJECTED PASSENGER TRAFFIC AT AIRPORT

TIMELINE

In big infra push, UP plans airport in each division

Vinod Rajput

The aviation sector, one of the major catalysts for growth and development, is not limited only to Noida airport. Chief minister Yogi Adityanath's vision is to develop this sector across UP.

SURENDRA SINGH, director of UP civil aviation department

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

दैनिक जागरण
www.jagran.com

संसद के छोटे शीत सत्र की बड़ी कामयाबी | अमेरिका ने पाक की रोकी सैन्य मदद रोकी

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में अरबों रुपये के मिले निवेश के प्रस्ताव

उद्योग से लेकर संस्थागत क्षेत्र में वड़े पैमाने पर होगा रोजगार सृजन

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की मंजूरी के बाद यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश को लेकर दिलचस्पी बढ़ी है। प्राधिकरण को पिछले दिनों कई निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे प्राधिकरण क्षेत्र में संस्थागत व औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आना तय है।

प्राधिकरण करीब एक दर्जन प्रस्तावों को अंतिम रूप दे चुका है। प्राधिकरण क्षेत्र में टेक्सटाइल क्लस्टर में पांच हजार करोड़ रुपये निवेश का प्रस्ताव है। लेकिन सबसे बड़ा निवेश स्वास्थ्य क्षेत्र में होगा। मेडिकल विश्वविद्यालय के लिए अलग-अलग प्रस्ताव में करीब 11000 करोड़ का निवेश होगा और चार्ड सात हजार लोगों के लिए रोजगार का सृजन होगा। इसका सबसे अधिक फायदा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर होगा। मेडिकल विश्वविद्यालय स्थापित होने से लोगों के लिए उच्च उपचार के रास्ते खुलेंगे।

इसके अलावा उद्योगों में करीब छह हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा, जो रोजगार सृजन के लिए सबसे बड़ा जरिया बनेगा। क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण के बाद बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। उद्योगों के स्थापित होने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के मौके बढ़ेंगे। प्राधिकरण स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार देने वाले प्रस्तावों को प्राथमिकता का पहले ही ऐलान कर चुका है।

कंपनी	मांगी गई भूमि	रोजगार	निवेश (करोड़ में)
सोसायटी आफ नोएडा एक्सपोर्ट अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर	दो सौ एकड़	पांच लाख	पांच हजार
कंट्री साईन होल्डिंग कंपनी लिमिटेड	2470 एकड़	-	-
यूपी कॉरपोरेटेड बॉक्स मैन्युफैक्चर एसोसिएशन	40 एकड़	पांच हजार	चार सौ
डिम सिम्स	पांच एकड़	250-10	
इंडो यूके इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ	150 एकड़	5000	दस हजार
यूरोपियन मेडिकल विवि एवं मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट	50 एकड़	2500	700 से 1200
इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च	520 एकड़	-	-
पोलटाल	35 एकड़	500	चार सौ
लॉजिस्टिक	10 एकड़	600	तीन सौ
जीएल विवि	पचास एकड़	-	-

हवाई अड्डे के पास आवंटित होगी जमीन

प्राधिकरण निवेश प्रस्तावों को लेकर सकारात्मक है। प्राधिकरण की औद्योगिक भूखंड योजना इसी सप्ताह आएगी। इन योजनाओं के तहत जमीन आवंटन होगा। जिन सेक्टरों में जमीन आवंटन होगा, वह प्रस्तावित जेवर हवाई अड्डे के नजदीक है। इसका सीधा फायदा निवेशकों को मिलेगा। उन्हें बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश के कई प्रस्ताव आ चुके हैं। निवेश से औद्योगिक व संस्थागत गतिविधियां तेज होंगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

डा. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

अमर उजाला

वोल्टास करेगा 250 करोड़ का निवेश

सेक्टर 24ए में जमीन खरीदने पर सहमति

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

पतंजलि के बाद अब इलेक्ट्रॉनिक्स

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

दैनिक भास्कर

मल्टीनेशनल कंपनियों की निवेश की तैयारी

पतंजलि फूड पार्क	6 हजार करोड़ रुपए
पतंजलि हर्बल पार्क	937 करोड़ रुपए
डेटा सेंटर पार्क	20 हजार करोड़ रुपए
टॉय सिटी पार्क	600 करोड़ रुपए
लेदर पार्क	4 हजार करोड़ रुपए
इलेक्ट्रॉनिक पार्क	50 हजार करोड़ रुपए
मेडिकल डिवाइस पार्क	15 हजार करोड़ रुपए
नर्सी मोंजी यूनिवर्सिटी	450 करोड़ रुपए

Airport

नवभारत टाइम्स

जेवर इंटरनैशनल एयरपोर्ट को ऐरा की हरी झंडी

गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलनी तय, इससे निर्माण का मार्ग हो जाएगा प्रशस्त

Dinesh.Mishra@timesgroup.com

■ ग्रेटर नोएडा। यीडा में बन रहे दक्षिण एशिया के सबसे बड़े जेवर ग्रीन फील्ड इंटरनैशनल एयरपोर्ट के मास्टरप्लान को एयरपोर्ट इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ऐरा) ने भी हरी झंडी दिखा दी है। इससे पहले नागर विमानन के महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय व एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी मंजूरी दे चुका है। जेवर एयरपोर्ट को विकसित करने वाली स्विट्जरलैंड की ज्यूरिख इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मास्टरप्लान को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ऐरा के पास भेजा था। इसके पीछे कारण यह बताया है देश का यह पहला एयरपोर्ट है जो पूरी तरह पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। मास्टरप्लान पर ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्यॉरिटी की ओर से मंजूरी मिलना अभी बाकी है।

> मास्टरप्लान पर ऐरा की हरी झंडी मिलने से ग्लोबल कंपनी ज्यूरिख को निर्माण कार्य प्रारंभ करने में देर नहीं लगेगी। -डॉक्टर अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना अथॉरिटी

ऐरा की हरी झंडी मिलने के बाद गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलनी तय है, जिससे तुरंत जेवर में इस एयरपोर्ट के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। इस एयरपोर्ट के निर्माण पर करीब 29,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

'एयरपोर्ट के लिए खेत-खलिहान सौंपने को तैयार'

■ विस, ग्रेनो : जेवर इंटरनैशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के बाद दूसरे चरण के विस्तार के लिए अधिग्रहीत होने वाले गांवों के किसान खुशी-खुशी सहमति देने अथॉरिटी के सीईओ डॉक्टर अरुणवीर सिंह के पास पहुंच रहे हैं। एयरपोर्ट के विस्तार के दूसरे चरण के लिए जमीन जुटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए 1430 हेक्टेयर जमीन लेनी है। इस पर तीसरा रनवे और मेंटिनेंस रिपेयर ओवरहॉलिंग (एमआरओ) सेंटर बनेगा। इसके लिए सात गांव चयनित किए हैं। ये सात गांव करौली बांगर, कुरैब, बीरमपुर, दयानतपुर, रन्हेरा, नंगला शाहपुर व मुढ़ेरा हैं। इन गांवों के किसान खुद ही प्राधिकरण आकर अपनी जमीन देने के लिए सहमति पत्र दे रहे हैं। सोमवार को कुरैब के कई निवासी यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह से मिले और जमीन देने के लिए सहमति पत्र सौंपा।

> दूसरे चरण के लिए 3 गांवों ने यीडा में आकर दिए सहमति पत्र

अब बिना यमुना एक्सप्रेसवे पर गए ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट पहुंचें

■ विशेष संवाददाता, ग्रेनो : ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट अब जल्द ही बिना यमुना एक्सप्रेसवे पर सवार हुए भी पहुंच जाएंगे। इसके लिए यमुना अथॉरिटी एक्सप्रेसवे के किनारे 60 मीटर चौड़ी सड़क एयरपोर्ट तक बनवाने जा रही है। सड़क निर्माण इसी महीने पूरा हो जाएगा। इससे दूसरे शहरों के अलावा यमुना प्राधिकरण के सेक्टरों को भी खूब फायदा मिलेगा।

24 किमी लंबी यह सड़क सीधे एयरपोर्ट तक जाती है। यह यमुना एक्सप्रेसवे के साथ किमी से शुरू होती है। इसमें करीब 2.6 किमी का टुकड़ा बचा हुआ था। प्राधिकरण ने इसका काम शुरू कराया है। दरअसल जमीन नहीं मिलने से यह काम अटका हुआ था। करीब 50 मीटर का एक टुकड़ा और बचा हुआ है। यह जमीन भी प्राधिकरण को मिल चुकी है। यह काम अगले 10 दिन में पूरा हो जाएगा। एक मार्च से इस सड़क को खोली (ब्लैक टॉप) किया जाएगा।

> दस दिन के अंदर 24 किमी लंबी सड़क का काम हो जाएगा पूरा

इन सेक्टरों के लिए सहूलियत

ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट जाने वाली यह सड़क कई सेक्टरों के लिए सहूलियत भरी होगी। एक तरफ सेक्टर 17, 18, 19, 20 तो दूसरी तरफ सेक्टर 22डी, 26, 29, 31, 32 के लोगों को इससे फायदा मिलेगा।

यूपी में पहली पॉड टैक्सी फिल्म सिटी और जेवर एयरपोर्ट के बीच चलेगी

■ विशेष संवाददाता, ग्रेनो

फिल्म सिटी और जेवर इंटरनैशनल एयरपोर्ट के बीच पॉड टैक्सी चलाई जाएगी। इसके लिए करीब 5.5 किमी का ट्रैक बनाया जाएगा। प्रदेश में यह पहली पॉड टैक्सी होगी। इसकी डीपीआर बनाने के लिए यमुना अथॉरिटी जल्द विशेषज्ञ कंपनी का चयन करेगी। इसके चलने से एयरपोर्ट से फिल्म सिटी तक आने-जाने में आसानी रहेगी।

ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो भी चलाई जाएगी। हालांकि यह मेट्रो एक्सप्रेस होगी। यानी इसके लिए सिर्फ 5-6 स्टेशन बनाए जाएंगे। इसे देखते हुए यमुना अथॉरिटी ने पॉड टैक्सी शुरू करने की तैयारी की है। दरअसल यमुना अथॉरिटी ने पहले ग्रेनो से जेवर एयरपोर्ट तक पॉड टैक्सी चलाने की तैयारी की थी। अब यहां मेट्रो और बुलेट ट्रेन पर काम चल रहा है। मेट्रो व बुलेट ट्रेन के स्टेशन कम होने से फिल्म सिटी और एयरपोर्ट के बीच आने-जाने के लिए बेहतर विकल्प नहीं होंगे।

पॉड टैक्सी से यमुना प्राधिकरण के सेक्टर भी जुड़ जाएंगे। 5.5 किलोमीटर के इस ट्रैक के बीच यमुना प्राधिकरण के औद्योगिक सेक्टर भी आएंगे। इसमें टॉय सिटी भी शामिल है।

प्राधिकरण का कहना है कि इसके लिए जल्द ही रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जल्द निकाल दिया जाएगा ताकि परियोजना पर काम शुरू किया जा सके।

पहुंचने में होगी सुविधा

- 5.5 किलोमीटर के इस ट्रैक के बीच यमुना प्राधिकरण के औद्योगिक सेक्टर भी आएंगे
- इसकी डीपीआर बनाने के लिए यमुना अथॉरिटी जल्द विशेषज्ञ कंपनी का चयन करेगी

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

JEWAR AIRPORT - MICRO-MARKETS

	Share of residential sales in select micromarkets* from the overall residential sales in Noida & Greater Noida	Weighted average price in select mircromarkets* (INR /sqft)**
2019	17%	4,700-4,900
2020	19%	5,000-5,200
2021 (Jan-Sep)	31%	5,200-5,400

*Localities around Noida Expressway (Noida) and Yamuna Expressway (Greater Noida) are considered here.
**Weighted average price as per new supply and inventory

JEWAR AIRPORT - MICRO-MARKETS* GROWTH

	Growth in residential sales in select mircomarkets*	Growth in weighted average prices in select mircromarkets*
Jan-Sep 2021	17%	4,700-4,900

*Localities around Noida Expressway (Noida) and Yamuna Expressway (Greater Noida) are considered here
Source: PropTiger Research

moneycontrol

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 19 मार्च 2021, नगर/नोएडा, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

क्षेत्रफल में दुनिया का चौथा बड़ा हवाई अड्डा होगा जेवर

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के लिए 845 हेक्टेयर जमीन और जोड़ दी गई है। परियोजना के लिए 5845 हेक्टेयर जमीन तय हो गई है। अब क्षेत्रफल के हिसाब से यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। इस बढ़ी हुई जमीन पर मेंटीनेंस, रिपेयरिंग व ओवरहॉलिंग सेंटर विकसित होगा।

यमुना प्राधिकरण ने जेवर एयरपोर्ट के लिए पांच हजार हेक्टेयर जमीन आरक्षित की थी। इसमें से एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। दूसरे चरण में एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 1365 हेक्टेयर जमीन के अधिगृहण प्रस्ताव पर प्रदेश कैबिनेट स्वीकृति दे चुका है। एयरपोर्ट के लिए आरक्षित जमीन का अधिग्रहण चार चरणों में होना है।

प्राधिकरण ने अपने वर्ष 2031 के मास्टर प्लान में एयरपोर्ट से सटी जमीन पर चार औद्योगिक सेक्टर-7, 8, 30 व 31 प्रस्तावित किए थे। अब हवाई जहाज की मेंटीनेंस, रिपेयरिंग व ओवरहालिंग (एमआरओ) इंडस्ट्री को देखते हुए सेक्टर-30 की 500 हेक्टेयर व सेक्टर-31 की 345 हेक्टेयर जमीन एयरपोर्ट के लिए आरक्षित कर दी गई है। इसके चलते जेवर एयरपोर्ट के लिए अब आरक्षित जमीन 5845 हेक्टेयर हो गई है।

गतिविधियां और तेज

जेवर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 1365 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण के लिए सरकार मंजूरी दे चुकी है। सोशल इंपैक्ट असेसमेंट (एसआईए) कराने के लिए प्रशासन ने अपना प्रस्ताव भेज दिया है। अब ये गतिविधियां और तेज होंगी। इस जमीन पर एक रनवे और एमआरओ सेंटर विकसित होगा। यह एमआरओ सेंटर यमुना प्राधिकरण विकसित करेगा। इसके लिए भी टेंडर निकाले जाएंगे।

क्षेत्रफल के हिसाब से दुनिया के पांच बड़े एयरपोर्ट

एयरपोर्ट	देश	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट	सऊदी अरब	77600
डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	13571
डलास इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	6963
ऑरलैंडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	5383
वाशिंगटन डुल्ल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	4856

5 हजार हेक्टेयर जमीन आरक्षित की थी यमुना प्राधिकरण ने जेवर एयरपोर्ट के लिए

जेवर एयरपोर्ट में 845 हेक्टेयर जमीन और जोड़ दी गई है। अब इसका क्षेत्रफल 5845 हेक्टेयर हो गया है। इसे मास्टर प्लान में भी शामिल कराया जाएगा।

-डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना प्राधिकरण

पहले चरण में दो रनवे बनेंगे

जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण में दो रनवे बनेंगे। इसके विकासकर्ता के रूप में स्विस कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी का चयन हो चुका है। इस कंपनी ने यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड नाम से एसपीवी बनाई हुई है। मास्टर प्लान एवं टर्मिनल बिल्डिंग का डिजाइन तय हो चुका है। एयरपोर्ट का निर्माण कार्य अगले माह शुरू होने की उम्मीद है। एयरपोर्ट के मास्टर प्लान को पास कराने के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा गया है। जल्द ही वहां से पास होकर मास्टर प्लान नियाल को मिल जाएगा।

Airport

नवभारत टाइम्स

2000 एकड़ जमीन मिली, अब और बड़ा होगा जेवर एयरपोर्ट

नोएडा ग्रीनफील्ड इंटरनैशनल एयरपोर्ट 14500 एकड़ में होगा तैयार

एयरपोर्ट पर खर्च होंगे 5730 करोड़ रुपये

किसानों को 25 तक मिलेंगे प्लॉट के आवंटन पत्र

एयरपोर्ट के पास बनेगा देश का सबसे बड़ा एमआरओ सेंटर

विश्व में मिलेगी पहचान

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Airport

Hindustan Times
Tuesday, August 24, 2021
03

Work begins at int'l airport site in Noida

Concessionaire starts levelling the ground to pave way for the airport that will serve 70mn when ready

Ashni Dhaor
ashni.dhaor@hindustantimes.com

Officials said the concessionaire has been allowed to construct a boundary wall at the site.

NOIDA: The construction work on the international airport project started on Monday in Gautam Budh Nagar's Jewar area.

The airport is proposed to come up on 1334 hectares over the next four years under phase 1 of the project.

The Yamuna International Airport Private Limited (YIAPL), the special purpose vehicle created for developing the airport, confirmed the development.

"We have commenced preparatory work at the construction site of the airport after getting approvals from all the relevant authorities. We are also thankful to the Uttar Pradesh government in providing us full support to expedite work at the airport site," read a statement from YIAPL, which is a fully owned subsidiary of Zurich Airport International, the Swiss company that won the rights to develop the project last year.

According to officials, the first phase of the airport will have a capacity to serve 12 million passengers a year.

On Monday, the company began levelling the field that was once agricultural land, said Arun Vir Singh, chief executive officer (CEO) of Noida International Airport Limited (Nial), which is the Uttar Pradesh government's nodal agency to implement the mega project.

"We allowed the company to construct a boundary wall at the site. Gradually, the construction of site office and an air traffic control building too will start," said Singh. Nial has on its board the Uttar Pradesh government, Noida authority, the Greater Noida authority and the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (Yeida).

Singh said phase one of the project is scheduled to be completed in 36 months. "Phase one includes 1,334 hectares of land and will commence operations with one runway. Later, more runways will be added. In each phase, the airport will expand to eventually serve 70 million passengers by the end of phase four, subject to passenger growth and traffic," Singh said.

There will be two runways in phase 1. By the end of phase 4, the airport is projected to have five runways and over 5,000 hectares.

Singh said YIAPL had secured ₹3,725 crore loan from the State Bank of India (SBI) earlier this month. "This amount has now been dispersed to the company for the construction of the airport," he said.

A formal foundation stone laying ceremony will also be held at the airport site soon and is likely to be attended by Prime Minister Narendra Modi and Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath.

"All preparations for the ceremony are done and it will be held as soon as we get a final confirmation from the Prime Minister's office on the date," said Dhirendra Singh, Jewar MLA.

Gautam Budh Nagar District Magistrate Suhas LY said the commencement of construction of the airport was a matter of pride for the district.

"This has only been possible because of the support of nearly 9,000 farmers and local residents who gave their land for the mega project. In fact, their rehabilitation was probably the largest in the country. Generally, land becomes a major bone of contention in such big projects, but the people have been supportive," said Suhas.

Officials said the land for first phase has been acquired from villages Ranhera, Rohi, Parohi, Kishorpur, Dayanatpur and Banwaribas in Jewar sub-division of GB Nagar.

The airport is billed to be the largest in India upon completion and will be the National Capital Region's third, after the Indira Gandhi International Airport (IGIA) and Ghaziabad's Hindon airport.

THE TIMES OF INDIA

Construction firms start work at Noida airport site in Jewar

Shalabh@timesgroup.com

Greater Noida: Construction companies engaged by the Zurich AG subsidiary started work at the site of the Noida International Airport on Monday. Sources said Yamuna International Airport Private Limited, which is mainly supposed to build the terminal building, is targeting a deadline of the third quarter (July–September) of 2024. On Monday, earth movers and construction equipment were brought to the site as the companies set up their base in Kishorpur. A site office will also be set up and arrangements are being made for power connection.

Sources said the companies would start with clearing and grubbing work. "Clearing and grubbing is required to remove all the vegetation and roots of old trees. Bushes, shrubs, agricultural fields, stumps, stones and boulders have to be cleared before levelling work starts," said an official of Noida International Airport Limited, the UP government's special purpose vehicle for the project. Ponds and wetlands will also need to be filled before the soil is compacted with power rollers.

The work was preceded by a brief religious ceremony on Monday morning. Sweets were distributed among the employees and security personnel who have been deployed at the site to prevent any kind of encroachment.

Sources said Yamuna International Airport Pvt Ltd is targeting a deadline of the third quarter of 2024

Sources said the contractors and engineering companies were waiting for Rakshabandhan, which marks the end of the sawan month and the start of an auspicious period according to the Hindu calendar. The date of the launch ceremony, meanwhile, is yet to be fixed. NIAL officials said they were waiting for a final word from the UP government. On August 10, YIAPL had raised a Rs 3,725 crore debt from the State Bank of India for funding the project. The amount is one of the largest financings for an Indian greenfield airport. The loan has to be repaid over 20 years with a one-year moratorium after the completion of the project.

The Noida airport project is being funded on a debt-equity ratio of 65:35. Zurich Airport International AG, a fully owned subsidiary of Flughafen Zurich AG, is the main shareholder of YIAPL and is injecting Rs 2,005 crore as equity into the project.

Airport

राजधानी •
वर्ष 19 | अंक 135 | पृष्ठ : 16+4
मूल्य : तीन रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
मंगलवार, 24 अगस्त 2021
भाद्रपद कृष्ण-द्वितीया
विक्रम संवत-2078

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू

कंपनी ने शुरू किया जमीन समतल करने का काम, तिथि घोषित होने के बाद शिलान्यास करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा/जेवर। जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की भूमि पर सोमवार को निर्माण कार्य की शुरुआत हो गई। निर्माण और विकासकर्ता कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की भारतीय कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) ने सबसे पहले भूमि समतल करने का काम शुरू कर दिया है।

कंपनी अपने साइट कार्यालय तैयार कर चारदीवारी का निर्माण कराएगी। जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) का भवन निर्माण किया जाएगा। जल्द ही शिलान्यस की तिथि घोषित कर दी जाएगी। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट का शिलान्यास करेंगे। केंद्र और प्रदेश सरकार के ड्रीम प्रोजक्ट माने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की शुरुआत सोमवार को हुई। रविवार को ही एयरपोर्ट की साइट पर निर्माण कार्य शुरू करने के लिए उपकरण और मशीनें पहुंच गई थीं। इससे पहले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का मास्टर प्लान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) बोर्ड में ले जाने से पहले इसे मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन (मोका), एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने पास भेजा गया था। इन एजेंसियों ने मास्टर प्लान में कुछ सुझाव दिए थे। इन सुझावों को सम्मिलित करते हुए फिर इन एजेंसियों को मास्टर प्लान भेजा गया था। इन एजेंसियों की हरी झंडी मिलने के बाद 13 अगस्त को मास्टर प्लान को नियाल के बोर्ड में रखा गया। बोर्ड ने मास्टर प्लान पर मंजूरी देते हुए कहा था कि इसे यमुना प्राधिकरण अपने बोर्ड में पास कराए।

एयरपोर्ट के प्रथम चरण के 1334 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत की गई है। इसमें 100 हेक्टेयर जमीन सरकारी है प्रथम चरण में इसी भूमि पर निर्माण होगा। प्रथम चरण में 6 रनवे में से 2 का निर्माण किया जाएगा। एयरपोर्ट निर्माण करीब 3000 किसान परिवार को जेवर बांगर में बसाया गया है। >> संबंधित पेज 2 पर

एयरपोर्ट की भूमि पर समतलीकरण के कार्य में जुटी टीम। विज्ञप्ति

" सोमवार से समतलीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। सबसे पहले साइट कार्यालय बनाया जाएगा। इसके बाद चारदीवारी बनाने का काम शुरू होगा।
– डॉ. अरुणवीर सिंह
सीईओ यमुना प्राधिकरण

1334 हेक्टेयर जमीन एयरपोर्ट के प्रथम चरण के लिए अधिगृहीत

3000 किसान परिवारों को जमीन देने पर जेवर बांगर में बसाया

6 रनवे में से 2 का निर्माण प्रथम चरण में होगा

26 अगस्त को होगा कार्यालय में पूजन

जेवर (संवाद)। निर्माण कंपनी पहले जमीन समतल कराने के बाद अपना साइट कार्यालय बनाएगी। 26 अगस्त को साइट कार्यालय में पूजन किया जाएगा। इसके बाद कंपनी आगे का निर्माण कार्य शुरू करेगी। शिलान्यास से पहले कंपनी सहयोगी वेंडरों से जमीन समतल करने और चारदीवारी बनाने का काम पूरा करा लेना चाहती है।

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

TRICITY TODAY

जेवर एयरपोर्ट विशेषांक

www.tricitytoday.com

सबको पीछे छोड़ेगा जेवर एयरपोर्ट

अब अगर दुनिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट की बात करें तो भारतवासियों का सीना भी गर्व से चौड़ा होगा। दरअसल, अब पूरी दुनिया में चौथे नंबर का सबसे बड़ा हवाईअड्डा जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। इसी के साथ यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट भी होगा। एशिया में 48 देश हैं। इनमें इंडोनेशिया, चाइना, जापान, थाईलैंड, मलेशिया, सऊदी अरब, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे देश हैं। इन सभी मुल्कों में इतना बड़ा एयरपोर्ट नहीं है, जितना बड़ा जेवर एयरपोर्ट बनने जा रहा है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इन सभी देशों से अच्छी कनेक्टिविटी होगी। यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होने के साथ ही आधुनिकरण में भी नंबर वन होगा। नोएडा से **ऋषभ खारी** की एक रिपोर्ट...

कैसे विशाल स्वरूप लेगा जेवर एयरपोर्ट

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट 6,200 हेक्टेयर जमीन पर बनाया जाएगा। यमुना प्राधिकरण ने इसका 355 हेक्टेयर क्षेत्रफल हाल ही में बढ़ाया है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण चार चरणों में होगा।

फेज वन — वर्ष 2024 तक

फेज टू — वर्ष 2032 तक

फेज थ्री — वर्ष 2037 तक

फेज फॉर — वर्ष 2050 तक

बस ये 3 एयरपोर्ट जेवर से बड़े होंगे

1 किंग फहाद एयरपोर्ट, दुबई (77,600 हेक्टेयर)

2 डेनवर एयरपोर्ट, कनाडा (13,570 हेक्टेयर)

3 डलास फोर्ट वर्थ एयरपोर्ट, डलास (6,963 हेक्टेयर)

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

नई दिल्ली, गुरुवार
8 अक्टूबर, 2020
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

ई-नीलामी से तय होगी गैस की कीमत 8
कोरोना की रोकथाम के लिए चलेगा जागरूकता अभियान : जावडेकर 11

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से योगी के सपने भरेंगे उड़ान

उप्र ही नहीं उत्तराखंड, दिल्ली व हरियाणा को भी मिलेगा एयरपोर्ट का लाभ

2004

2012

चार चरण में होगा निर्माण

1334 हेक्टेयर पर होगा एयरपोर्ट

एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष मिलेगा रोजगार

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Jewar airport will boost industrial infra, employment generation: CM

'Jewar Region Will Be Most Developed'

NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT: AN OVERVIEW

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

TRICITY TODAY

जेवर एयरपोर्ट विशेषांक

13 दिन शेष

शुक्रवार, 12-11-2021 | गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित | पृष्ठ 4 | वेबसाइट : www.tricitytoday.com

जेवर एयरपोर्ट आया झोली भर सौगातें लाया

जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए विकास की नई इबारत लिखेगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। एयरपोर्ट आया है तो झोली भरकर सौगातें लाया है। अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है, जब कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया में काम-धंधे ठप पड़ गए, उस वक्त यमुना इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने करीब 7,200 करोड़ रुपये की भूमि का आवंटन किया है। देश-विदेश की नामी मल्टीनेशनल कंपनियां जेवर एयरपोर्ट के आसपास अपना काम जमा रही हैं। इस हवाईअड्डे की बदौलत लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। अगर पूरे उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर की बात की जाए तो सबसे अधिक रोजगार अब जेवर एयरपोर्ट के पास ही मिलने वाला है। आगामी 25 नवंबर 2021 को पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ इसका शिलान्यास करेंगे।

नर्सी मोंजी यूनिवर्सिटी ₹ 450 करोड़

यमुना अथॉरिटी ने मुंबई की मशहूर नर्सी मोंजी यूनिवर्सिटी को यमुना एक्सप्रेसवे पर 27.5 एकड़ जमीन का आवंटन किया। यह शहर में नौवीं यूनिवर्सिटी होगी। यह संस्थान 450 करोड़ का निवेश करेगा। इससे 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 27.5 एकड़ जमीन का आवंटन किया है। यह संस्था अभी मुंबई में कई कॉलेज और डीम्ड यूनिवर्सिटी का संचालन कर रही है। यह यूनिवर्सिटी देश के शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में शामिल है।

इलेक्ट्रॉनिक पार्क ₹ 50हजार करोड़

जेवर एयरपोर्ट के पास 250 एकड़ में इलेक्ट्रॉनिक पार्क बन रहा है। जहां 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस पार्क को सेक्टर-24ए और सेक्टर-10 में विकसित किया जाएगा। इस पार्क के विकसित होने से प्राधिकरण क्षेत्र में न केवल निवेश आएगा, बल्कि लोगों को रोगजार भी मिलेगा।

मेडिकल डिवाइस पार्क ₹ 15हजार करोड़

यहां मेडिकल डिवाइस पार्क बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को पास किया। इसके लिए 15 हजार करोड़ का निवेश होगा। यह प्रधानमंत्री पीएम मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" के संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए महत्वपूर्ण योगदान है। यूपी का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क यहां बनाया जाएगा। यह उत्तर भारत का सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क होगा। मेडिकल डिवाइस पार्क करीब 20 हजार युवाओं को रोजगार दिलाएगा। कुछ दवाओं के कच्चे माल के लिए यह निर्भरता 80 से 100 फीसद तक है।

लेदर पार्क ₹ 4हजार करोड़

अब देश-दुनिया के जाने-माने ब्रांड यहां लेदर पार्क विकसित करेंगे। इसमें जूते, लेदर से बनी फैशन असेसिरीज और सामान बनेगा। करीब 100 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित होने वाले इस पार्क के जरिए 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। यहां आने वाली कम्पनियों में 50 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

हैंडीक्राफ्ट पार्क ₹ 403 करोड़

एयरपोर्ट के पास हैंडीक्राफ्ट पार्क में 403 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इस पार्क में अब तक 76 उद्यमियों ने जमीन ली है और यहां 22,000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। औद्योगिक विकास विभाग के मुताबिक यूपी के सभी प्रमुख हस्तशिल्प एक जगह विकसित होंगे। यमुना एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-29 में हैंडीक्राफ्ट पार्क बनाया जा रहा है। करीब 50 एकड़ के इस पार्क में 76 उद्योगपतियों ने जमीन ली है। ये उद्योगपति करीब 403 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। यहां 22,144 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा।

टॉय सिटी पार्क ₹ 600 करोड़

जेवर एयरपोर्ट चीन को बड़ा झटका देगा। एयरपोर्ट के पास एक टॉय सिटी बसाई जा रही है। यह 50 एकड़ में बन रही है। जिसमें 80 यूनिट लगेंगी। इसके लिए करीब 600 करोड़ रुपए का निवेश यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में होगा। टॉय सिटी में करीब 15,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इसका मतलब साफ है कि जेवर एयरपोर्ट बनने के बाद यहां पर रोजगार की कमी नहीं होगी।

डेटा सेंटर पार्क ₹ 20हजार करोड़

यमुना एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण के सेक्टर-28 में डेटा सेंटर पार्क विकसित किया जाएगा। इस परियोजना में विश्व की डेटा सेंटर कम्पनियां आ रही हैं। सेक्टर-28 में डेटा सेंटर पार्क विकसित किया जाएगा। इसके लिए 200 एकड़ जमीन आरक्षित की गई है। पहले चरण में 20 भूखंडों की योजना लाई जाएगी। इससे 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश मिलेगा।

फूड पार्क ₹ 6,000 करोड़

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने ग्रेटर नोएडा में पतंजलि समूह के प्रस्तावित फूड पार्क को सब्सिडी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 2018 में कैबिनेट ने योग गुरु बाबा रामदेव प्रचारित पतंजलि समूह को सब्सिडी दी थी। यह फूड पार्क निवेश लाएगा। रोजगार के अवसर पैदा करेगा और राज्य में किसानों की मदद भी करेगा। यमुना एक्सप्रेसवे के साथ एक मेगा फूड पार्क स्थापित करने की इस योजना में 6,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। अथॉरिटी ने 455 एकड़ जमीन पार्क स्थापित करने के लिए दी है। यह परियोजना करीब 25 हजार लोगों को रोजगार के अवसर देगी।

पतंजलि हर्बल पार्क ₹ 937 करोड़

जेवर एयरपोर्ट के पास पतंजलि का हर्बल पार्क भी बनेगा। इस प्रोजेक्ट में करीब 937 करोड़ रुपए का निवेश होगा। ऐसा माना जा रहा है कि पतंजलि इस क्षेत्र में अगले एक वर्ष में आयुर्वेद इकाई लगाकर उत्पादन शुरू कर देगी। पतंजलि की आयुर्वेद इकाई में 39 एकड़ एरिया खुला होगा। 13 एकड़ में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित होंगे। 13 एकड़ में वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज और 65 एकड़ में मैनुफैक्चरिंग प्लांट लगेगा। कंपनी हर्बल उत्पाद में हैंडवॉश, फ्रूट कैंडी, एलोवेरा, टूथपेस्ट, ब्राह्मी, गिलोय, केसर, मुलेठी, शैंपू, ग्रीन टी, सिरप, शिशु केयर आदि बनाएगी। यहां कॉस्मेटिक उत्पाद बनाए जाएंगे। जिसमें ओरल केयर, हेयर केयर, स्किन केयर, नहाने का साबुन आदि शामिल हैं।

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

दैनिक भास्कर

जेवर एयरपोर्ट की खूबियां

- दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा
- एयरपोर्ट पर 5 रन-वे होंगे
- 4 एक्सप्रेस-वे से सीधी कनेक्टिविटी होगी
- वेस्ट यूपी के 30 जिले सीधे जुड़ेंगे

Infrastructure

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल का जेवर क्षेत्र में होगा पहला पड़ाव

इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी के लिए बनाया जाएगा जेवर में स्टेशन

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : दिल्ली वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला पड़ाव गौतमबुद्ध नगर में होगा। जेवर एयरपोर्ट के नजदीक हाई स्पीड रेल का स्टेशन बनाने की योजना है। दिल्ली-हावड़ा रूट के बाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर गौतमबुद्ध नगर में दूसरा रेलवे ट्रैक होगा। इसका लाभ गौतमबुद्ध नगर के साथ-साथ गाजियाबाद में रहने वाले लाखों लोग को मिलेगा। हालांकि हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड निविदा निकाल चुका है। रिपोर्ट तैयार होने पर स्टेशन और कॉरिडोर की स्थिति सामने आएगी।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के बाद रेल मंत्रालय दिल्ली वाराणसी कॉरिडोर पर हाई स्पीड रेल दौड़ाने की तैयारी कर रहा है। दिल्ली वाराणसी कॉरिडोर का पहला स्टेशन यमुना प्राधिकरण का जेवर क्षेत्र होगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को देखते हुए जेवर क्षेत्र में स्टेशन बनाने की योजना है। मथुरा और आगरा में भी हाई स्पीड रेल के स्टेशन संभावित हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे के साथ-साथ बन सकता है कॉरिडोर : हाई स्पीड रेल कॉरिडोर यमुना एक्सप्रेस-वे के समानांतर बन सकता है। भूमि की उपलब्धता को देखते हुए कॉरिडोर के लिए यह मार्ग चुना जा सकता है। यमुना एक्सप्रेस-वे के समानांतर आगरा तक भूमि उपलब्ध है। इसे ग्रीन बेल्ट के तौर पर विकसित किया गया है। इसी ग्रीन बेल्ट में जेवर एयरपोर्ट मेट्रो का निर्माण करने की योजना है। आइजीआइ (इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) दिल्ली के नजदीक एयरो सिटी से तुगलकाबाद तक मेट्रो का निर्माण हो रहा है। इसे आगे बढ़ाते हुए नोएडा सेक्टर-143 पर एक्वा मेट्रो से जोड़ा जाएगा। इसके बाद एक्वा मेट्रो के नॉलेज पार्क दो स्टेशन से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो ट्रैक बनाने की योजना है। इससे आइजीआइ व जेवर एयरपोर्ट को मेट्रो कनेक्टिविटी मिलेगी। परियोजना को लेकर प्राधिकरण के साथ बेहतर सामंजस्य बनाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड ने नोडल अफसर के तौर पर यमुना प्राधिकरण से एक अधिकारी नियुक्त करने का आग्रह किया था। इसके बाद एसीईओ रविंद्र सिंह को नोडल अफसर के तौर पर नामित किया गया था।

यात्रा का समय भी होगा कम : लोगों के लिए यात्रा का समय भी कम होगा। यहां से दिल्ली, गाजियाबाद जाकर ट्रेन का सफर शुरू करने में अतिरिक्त समय लगता है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के बाद इसमें बचत होगी। हाईस्पीड रेल दिल्ली से वाराणसी का सफर करीब साढ़े चार घंटे में पूरा करेगी। मौजूदा समय में यह सफर करीब आठ घंटे में पूरा होता है। इससे भी यात्रियों के समय में काफी बचत होगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे शहर बसाने की योजना पर चल रहा काम

यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे गौतमबुद्ध नगर से आगरा के बीच औद्योगिक शहरी केंद्र विकसित हो रहे हैं। इसी तर्ज पर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे भी शहरी केंद्र विकसित करने की योजना प्रदेश सरकार तैयार कर रही है। इन शहरों की रूपरेखा तैयार करने पर शासन में माथापच्ची हो रही है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से एक्सप्रेस-वे के किनारे बसने वाले इन शहरों को भी फायदा होगा। अधिकारियों के मुताबिक, प्राधिकरण क्षेत्र में रेल कॉरिडोर के लिए भूमि की दिक्कत नहीं आएगी।

जिले में रेल नेटवर्क होगा बेहतर

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से जिले में रेल नेटवर्क बेहतर होगा। दिल्ली-हावड़ा रेलवे रूट गौतमबुद्ध नगर से होकर निकलता है। जिले में लंबी दूरी की सुपरफास्ट, एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं है। जिले की आबादी करीब बीस लाख हो चुकी है। इसमें अधिकतर लोग बाहर से आकर बसे हैं। औद्योगिक जिला होने के कारण यहां की बड़ी आबादी रेलवे की यात्रा करती है। मौजूदा समय में यह आबादी गाजियाबाद और दिल्ली रेलवे स्टेशन पर निर्भर है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का स्टेशन बनने के बाद दूसरे शहरों के स्टेशन पर निर्भरता कम होगी।

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना पर एक नजर

865 किमी लंबी होगी कॉरिडोर	**320** किमी प्रति घंटा होगी रफ्तार
4.5 घंटे में दिल्ली से वाराणसी	**1.21** लाख करोड़ रुपये लागत

गौतमबुद्ध नगर की अन्य खबरें ››
www.jagran.com पर पढ़ें

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

जेवर एयरपोर्ट पर पांच रनवे बनाकर चीन से बराबरी करेगा भारत

जेवर एयरपोर्ट के लिए प्रस्तावित जमीन पर मौजूद सुरक्षाकर्मी • सौ: यमुना प्राधिकरण

दुनिया के बड़े एयरपोर्ट एक नजर में

एयरपोर्ट	रनवे की संख्या
ओहारे इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अमेरिका	आठ
डलास फोर्टवर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अमेरिका	सात
एम्सटर्डम एयरपोर्ट, नीदरलैंड	छह
शंघाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, चीन	पांच
हार्ट्स फील्ड जैक्सन, अमेरिका	पांच

> जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रनवे की संख्या बढ़ाने के लिए व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार कराई गई है। एयरपोर्ट पर पांच रनवे बनाए जा सकते है। पहले चरण में दो रनवे के लिए जमीन अधिग्रहण हो चुका है।
>
> **डॉ. अरुणवीर सिंह,** सीईओ यमुना प्राधिकरण एवं नियाल

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पांच रनवे का निर्माण किया जाएगा। इसके जरिये भारत अब चीन की बराबरी करेगा। दरअसल, एशिया में चीन के शंघाई एयरपोर्ट पर सबसे अधिक पांच रनवे हैं। प्राइस वाटर हाउस कूपर (पीडब्ल्यूसी) जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पांच रनवे के निर्माण संबंधी व्यवहारिकता रिपोर्ट एक सप्ताह में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी (नियाल) को सौंप देगी।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण में दो रनवे का निर्माण होना है। प्रदेश सरकार ने इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाने के लिए व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार कराने के नियाल को निर्देश दिए थे। इसके तहत पहले चरण में बनाए जा रहे दो रनवे के उत्तर दिशा में एक और रनवे व दक्षिण दिशा में दो अन्य रनवे बनाए जा सकते हैं। इसके लिए करीब साढ़े तीन हजार हेक्टेयर जमीन की और जरूरत होगी।

उत्तर दिशा में बनने वाले रनवे का उपयोग हवाई जहाज की मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉलिंग (एमआरओ) के लिए किया जा सकता है। व्यवहारिकता रिपोर्ट शासन को भेजकर जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में पांच हजार हेक्टेयर जमीन आरक्षित है। पहले चरण के लिए 1334 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत की जा चुकी है। मास्टर प्लान-2041 में जमीन की जरूरत को देखते हुए एयरपोर्ट का क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है।

पहले चरण के लिए अक्टूबर में होगा करार: जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के साथ अक्टूबर में करार होगा। विकासकर्ता कंपनी के रूप में पिछले साल नवंबर में ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल का चयन किया गया था। कोरोना के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा बंद होने से करार में विलंब हो चुका है। एयरपोर्ट से 2022-23 से हवाई सेवा शुरू करने का लक्ष्य है।

एमआरओ से मिलने वाले राजस्व पर निगाह: प्रदेश सरकार व नियाल की निगाह एयरपोर्ट के साथ एमआरओ से मिलने वाले राजस्व पर भी है। जेवर एयरपोर्ट को एमआरओ का हब बनाने की भी योजना है। प्राधिकरण ने मास्टर प्लान-2031 में एयरपोर्ट से सटे चार सेक्टर प्रस्तावित किए हैं। इन्हें इलेक्ट्रानिक्स, एमआरओ, ट्रांसपोर्ट हब के लिए प्रस्तावित किया गया है। इन संभावनाओं को देखते हुए प्राधिकरण सेक्टर सात, आठ व 30 को आरक्षित करने पर विचार कर रहा है।

Airport

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

परी चौक से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो पर मुहर

मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट से जुड़ेंगे दिल्ली और नोएडा एयरपोर्ट, बोर्ड बैठक में बनी सैद्धांतिक सहमति

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

यमुना प्राधिकरण की 62वीं बोर्ड बैठक में मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जेवर में प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली एयरपोर्ट से जोड़ने और परी चौक से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो चलाने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। [illegible]

38 किमी के एलिवेटेड रूट पर दौड़ेगी मेट्रो

[illegible]

सिंगापुर की तर्ज पर होगा नोएडा-ग्रेनो मेट्रो का यात्रा कार्ड

- क्रेडिट कार्ड की तरह ऑनलाइन शॉपिंग आदि में भी कर सकेंगे प्रयोग
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से एनएमआरसी के अधिकारियों की बात
- कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम पर आधारित होने की संभावना

अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा।

[illegible]

अन्य मेट्रो में नहीं होगा लागू

[illegible]

मांगी गई है रिपोर्ट

[illegible]

कार्ड से यात्रा व पार्किंग प्रीपेड होगी

1 [illegible]

कार्ड पर मिल सकते हैं कई ऑफर

2 [illegible]

कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम की खूबी

3 [illegible]

पहले 8 गांवों से शिफ्ट होंगे 3400 परिवार

एयरपोर्ट के लिए पुनर्वास की तैयारी

एक संवाददाता,ग्रेटर नोएडा

जेवर एयरपोर्ट के लिए नोडल एजेंसी बनने के साथ ही यमुना अथॉरिटी जमीन अधिग्रहण और गांवों को शिफ्ट करने में जुट गई है। अथॉरिटी के सर्वे के अनुसार, जेवर एयरपोर्ट बनाने के लिए पहले चरण में 1250 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होगा। 8 गांवों के 3400 परिवार दूसरी जगह बसाए जाएंगे।

यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार ने अपने बजट में एयरपोर्ट के लिए फिलहाल 400 सौ करोड़ तय किए हैं। इसके लिए 5000 हजार हेक्टेयर जमीन की जरूरत पड़ेगी। दूसरे चरण में 3000 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। पहले चरण में 8 गांवों के 3400 परिवार शिफ्ट किए जाएंगे।

सबसे पहले नगला शरीफखान, नगला गणेशी, रन्हेरा, खेड़ा, किशोरपुर, सिवारा, रोही, परोली से लोग दूसरी जगहों पर शिफ्ट किए जाएंगे। दूसरे चरण में बनवारीवास, दयोता, मस्तफाबाद, सोहानपुर व कीकापुर के लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। इन गांवों में लगे 250 बिजली के पोल, 45 मोबाइल टावर, 8 स्कूल, पानी की 4 टंकियों को भी हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि गांवों को दूसरी जगह बसाने के लिए जमीन अधिग्रहण की जाएगी। जमीन अधिग्रहण पर 250 हजार करोड़, मकान बनाने पर 422 करोड़, बिजली, पानी, सीवर, सड़क आदि सुविधा पर 400 करोड़ खर्च होंगे। ग्रामीणों की नई रिहाइश को अथॉरिटी सेक्टरों की तर्ज पर विकसित करेगी, जिसमें बिजली, पानी, सीवर, रोड, स्कूल, पार्क समेत तमाम सुविधाएं होंगी। गांव किस जगह बसाए जाएंगे, इसके लिए टेक्नो-इकनॉमिक फिजिबिलिटी स्टडी की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। स्टडी के लिए यूपी सरकार व अथॉरिटी कंसलटेंट नियुक्त करेगी। साल 2007-08 में भी स्टडी कराया गया था। उस रिपोर्ट में संशोधन होना है या नहीं, यह भी कंसलटेंट तय करेगा।

अथॉरिटी की प्लानिंग

- पहले चरण में 1250 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होगा
- दूसरे चरण में 3000 हेक्टेयर जमीन लेगी अथॉरिटी

Airport

दिल्ली–वाराणसी हाई स्पीड रेल का जेवर क्षेत्र में होगा पहला पड़ाव

इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी के लिए बनाया जाएगा जेवर में स्टेशन

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : दिल्ली वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला पड़ाव गौतमबुद्ध नगर में होगा। जेवर एयरपोर्ट के नजदीक हाई स्पीड रेल का स्टेशन बनाने की योजना है। दिल्ली-हावड़ा रूट के बाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर गौतमबुद्ध नगर में दूसरा रेलवे ट्रैक होगा। इसका लाभ गौतमबुद्ध नगर के साथ-साथ गाजियाबाद में रहने वाले लाखों लोग को मिलेगा। हालांकि हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड निविदा निकाल चुका है। रिपोर्ट तैयार होने पर स्टेशन और कॉरिडोर की स्थिति सामने आएगी।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के बाद रेल मंत्रालय दिल्ली वाराणसी कॉरिडोर पर हाई स्पीड रेल दौड़ाने की तैयारी कर रहा है। दिल्ली वाराणसी कॉरिडोर का पहला स्टेशन यमुना प्राधिकरण का जेवर क्षेत्र होगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को देखते हुए जेवर क्षेत्र में स्टेशन बनाने की योजना है। मथुरा और आगरा में भी हाई स्पीड रेल के स्टेशन संभावित हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे के साथ-साथ बन सकता है कॉरिडोर : हाई स्पीड रेल कॉरिडोर यमुना एक्सप्रेस-वे के समानांतर बन सकता है। भूमि की उपलब्धता को देखते हुए कॉरिडोर के लिए यह मार्ग चुना जा सकता है। यमुना एक्सप्रेस-वे के समानांतर आगरा तक भूमि उपलब्ध है। इसे ग्रीन बेल्ट के तौर पर विकसित किया गया है। इसी ग्रीन बेल्ट में जेवर एयरपोर्ट मेट्रो का निर्माण करने की योजना है। आइजीआइ (इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) दिल्ली के नजदीक एयरो सिटी से तुगलकाबाद तक मेट्रो का निर्माण हो रहा है। इसे आगे बढ़ाते हुए नोएडा सेक्टर-143 पर एक्वा मेट्रो से जोड़ा जाएगा। इसके बाद एक्वा मेट्रो के नॉलेज पार्क दो स्टेशन से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो ट्रैक बनाने की योजना है। इससे आइजीआइ व जेवर एयरपोर्ट को मेट्रो कनेक्टिविटी मिलेगी। परियोजना को लेकर प्राधिकरण के साथ बेहतर सामंजस्य बनाने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड ने नोडल अफसर के तौर पर यमुना प्राधिकरण से एक अधिकारी नियुक्त करने का आग्रह किया था। इसके बाद एसीईओ रविंद्र सिंह को नोडल अफसर के तौर पर नामित किया गया था।

यात्रा का समय भी होगा कम : लोग के लिए यात्रा का समय भी कम होगा यहां से दिल्ली, गाजियाबाद जाकर ट्रेन का सफर शुरू करने में अतिरिक्त समय लगता है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के बाद इसमें बचत होगी हाईस्पीड रेल दिल्ली से वाराणसी का सफर करीब साढ़े चार घंटे में पूरा करेगी। मौजूदा समय में यह सफर करीब आठ घंटे में पूरा होता है इससे भी यात्रियों के समय में काफी बचत होगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे शहर बसाने की योजना पर चल रहा काम

यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे गौतमबुद्ध नगर से आगरा के बीच औद्योगिक शहरी केंद्र विकसित हो रहे हैं। इसी तर्ज पर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे भी शहरी केंद्र विकसित करने की योजना प्रदेश सरकार तैयार कर रही है। इन शहरों की रूपरेखा तैयार करने पर शासन में माथापच्ची हो रही है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से एक्सप्रेस-वे के किनारे बसने वाले इन शहरों को भी फायदा होगा। अधिकारियों के मुताबिक, प्राधिकरण क्षेत्र में रेल कॉरिडोर के लिए भूमि की दिक्कत नहीं आएगी।

जिले में रेल नेटवर्क होगा बेहतर

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से जिले में रेल नेटवर्क बेहतर होगा। दिल्ली-हावड़ा रेलवे रूट गौतमबुद्ध नगर से होकर निकलता है। जिले में लंबी दूरी की सुपरफास्ट, एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं है। जिले की आबादी करीब बीस लाख हो चुकी है। इसमें अधिकतर लोग बाहर से आकर बसे है। औद्योगिक जिला होने के कारण यहां की बड़ी आबादी रेलवे की यात्रा करती है। मौजूदा समय में यह आबादी गाजियाबाद और दिल्ली रेलवे स्टेशन पर निर्भर है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का स्टेशन बनने के बाद दूसरे शहरों के स्टेशन पर निर्भरता कम होगी।

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना पर एक नजर

865 किमी लंबी होगी कॉरिडोर

320 किमी प्रति घंटा होगी रफ्तार

4.5 घंटे में दिल्ली से वाराणसी

1.21 लाख करोड़ रुपये लागत

गौतमबुद्ध नगर की अन्य खबरें ››

www.jagran.com पर प

Airport

NAVODYA TIMES

जेवर एयरपोर्ट तक रैपिड रेल को योगी सरकार की मंजूरी

● फंडिंग के लिए केंद्र सरकार को भेजी गई डीपीआर

गाजियाबाद, 3 अगस्त (केपी त्रिपाठी) : गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक रैपिड रेल कॉरिडोर को प्रदेश की योगी सरकार ने मंजूरी दे दी है। योगी सरकार ने गाजियाबाद-जेवर रैपिड रेल परियोजना की फंडिंग के लिए डीपीआर को केंद्र सरकार के पास भेजा है।

यह उत्तर प्रदेश सरकार की एक बड़ी परिवहन परियोजनाओं में से एक है, जिसके तहत गाजियाबाद से जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ने वाली रैपिड रेल का निर्माण किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल की तर्ज पर होगा।

परियोजना दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) की तर्ज पर विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) को मंजूरी दी है। इसको अब राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को इसके फंडिंग पैटर्न तय करने के लिए भेजा है।

दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल की तर्ज पर कॉरिडोर

कॉरिडोर की लंबाई 72.44 किमी : प्रस्तावित आरआरटीएस कॉरिडोर की लंबाई 72.44 किमी होगी। इस मार्ग पर कुल 22 स्टेशन होंगे। जिनमें 11 आरआरटीएस स्टेशन और 11 मेट्रो स्टेशन होंगे। परियोजना की अनुमानित लागत 20,637 करोड़ रुपए है। यह रैपिड रेल मार्ग जेवर एयरपोर्ट से शुरू होकर, यमुना एक्सप्रेस औद्योगिक प्राधिकरण क्षेत्र और ग्रेटर नोएडा से होते हुए, नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन से जुड़ेगा और अंतत: गाजियाबाद आरआरटीएस परियोजना तक पहुंचेगा।

मेट्रो कनेक्टिविटी होगी बेहतर

इस परियोजना के कई दूरगामी लाभ होंगे। यह न केवल ग्रेटर नोएडा को मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, बल्कि जेवर एयरपोर्ट से नई दिल्ली और अन्य शहरों तक तेज और प्रदूषण रहित यात्रा की सुविधा भी देगी। भविष्य में इस नेटवर्क को गुरुग्राम, रेवाड़ी, अलवर, सोनीपत और पानीपत तक विस्तारित करने की योजना है। इससे जेवर एयरपोर्ट का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भी सीधा संपर्क स्थापित होगा।

घंटों में दिल्ली और हरियाणा की दूरी होगी तय

राज्य सरकार का मानना है कि यह रैपिड रेल प्रणाली जेवर एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों के लिए विशेष रूप से लाभदायक होगी। यात्री कुछ ही घंटों में दिल्ली और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों तक पहुंच सकेंगे। इस परियोजना से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि यह उत्तर प्रदेश के परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

SANDALUXE
FORESTA FARMS PVT LTD

Airport

परी चौक से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो पर मुहर

मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट से जुड़ेंगे दिल्ली और नोएडा एयरपोर्ट, बोर्ड बैठक में बनी सैद्धांतिक सहमति

अमर उजाला ब्यूरो

सिंगापुर की तर्ज पर होगा नोएडा-ग्रेनो मेट्रो का यात्रा कार्ड

अमर उजाला ब्यूरो

- क्रेडिट कार्ड की तरह ऑनलाइन शॉपिंग आदि में भी कर सकेंगे प्रयोग
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से एनएमआरसी के अधिकारियों की बात
- कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम पर आधारित होने की संभावना

अन्य मेट्रो में नहीं होगा लागू

कार्ड से यात्रा व पार्किंग प्रीपेड होगी

कार्ड पर मिल सकते हैं कई ऑफर

कांटेक्टलेस ई-पर्स एप्लिकेशन सिस्टम की खूबी

मांगी गई है रिपोर्ट

38 किमी के एलिवेटेड रूट पर दौड़ेगी मेट्रो

Sandaluxe™ infra

SANDALUXE

FORESTA FARMS PVT LTD

Thank You

www.sandaluxeinfra.com

info@sandaluxeinfra.com